सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
माँ दुर्गा ज्वेलर्स
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

श्री CONSULTANCY
Confused after NEET Get Help
Fulfill your Dream of Becoming Doctor
Call us for Admission Guidance for 23-24 MD/MS/MBBS & MDS/BDS
• TOP MEDICAL Colleges of INDIA
• Management Quota Seat
• NRI Quota Seat
Get Enrolled (Call/whatsapp)
89599-94444
Laxmi Jewellers, Opp.Tanishq Showroom, Durg (C.G.)

वर्ष- 14 अंक - 231 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 4 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

मुख्यमंत्री बघेल ने कबीर जयंती की दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संत कबीर की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। अपने बधाई संदेश में सीएम बघेल ने कहा कि संत कबीर का जीवन दर्शन सदैव प्रासंगिक है। संत कबीर ने दोहों के माध्यम से प्रेम, सद्भावना और सामाजिक समानता का संदेश दिया। उन्होंने समाज में फैले आडंबर और जात-पात का सख्त विरोध किया। दोहों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक कुरीतियों पर भी कठोर प्रहार किया और लोगों को सत्य, अहिंसा, दया, करूणा और परोपकार जैसे मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। छत्तीसगढ़ में भी संत कबीर के जीवनदर्शन का जनजीवन पर गहरा प्रभाव है। श्री बघेल ने कहा है संत कबीर के उपदेश हमें सत्य का रास्ता दिखाते रहेंगे।

छोटे भाई ने बड़े भाई की टांगी मारकर की हत्या, आरोपी को मानसिक अस्वस्थ बता रहे हैं परिजन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर शहर से लगे ग्राम कंठी में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने सो रहे बड़े भाई पर टांगी से वार कर दिया और फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल को अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद घर पर मातम का माहौल है। वहीं हत्या करने वाले युवक को परिजन मानिसक अस्वस्थ बता रहे हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार अंबिकापुर शहर से लगे दरिमा थाना क्षेत्र के कंठी गांव निवासी उर्मिला दास (40) परिवार के साथ रहता था। घर में उसका छोटा भाई नवीन दास भी रहता है जो कि मानसिक अस्वस्थ्य है। घर वाले उसे जंजीर से बांधकर रखते थे। कुछ दिनों से उसके व्यवहार में बदलाव आने से जंजीर खोल दिया था। 2 जून की रात को उर्मिला दास सो रहा था इस दौरान उसके भाई नवीन दास ने उसके चेहरे पर टांगी से वार कर दिया था। टांगी से वार करने से उर्मिला दास की चीख निकल गई। वार करने के बाद नवीन दास वहां से भाग गया। आवाज सुनकर घर में अन्य लोग वहां पहुंचे तो उर्मिला दास लहूलुहान पड़ा था। गंभीर रूप से घायल उर्मिला दास को अंबिकापुर के मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उसकी शनिवार को मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने नवीन दास के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव : गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हुए दो विश्व कीर्तिमान

अरण्यकाण्ड पर सबसे ज्यादा समय तक मंचन का वर्ल्ड रिकार्ड, तीन दिनों तक 10 हजार लोगों ने किया हनुमान चालीसा का किया पाठ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में दो विश्व कीर्तिमान गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हुए। पहला वर्ल्ड रिकार्ड अरण्य कांड पर सबसे ज्यादा समय तक, तीन दिनों तक लगातार 765 मिनट तक अरण्य कांड का मंचन करने पर बना। साथ ही 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालिसा का पाठ करने का भी विश्वकीर्तिमान बना। यह दोनों कीर्तिमान गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड्स में दर्ज किए गए।

अरण्य कांड में छत्तीसगढ़ सहित 13 राज्यों और दो विदेशी दलों के 17 दलों के 375 कलाकरों ने इसमें हिस्सा लिया। राज्य के संस्कृति विभाग को 'मोस्ट स्टेज आर्टिस्ट परफार्मिंग ऑन अरण्यकाण्ड का रिकॉर्ड प्रदान किया गया। सबसे ज्यादा कलाकार और सबसे देर तक चलने वाले अरण्य कांड पर कार्यक्रम के लिए यह रिकार्ड बना। रायगढ़ जिला प्रशासन को भी 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए वर्ल्ड रिकार्ड प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ के संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन रायगढ़ को गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा- प्रभु श्रीराम हमारे दिलों में बसे हैं

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायगढ़ के रामलीला मैदान में तीन दिवसीय 'राष्ट्रीय रामायण महोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम हमारे दिलों में हैं, हमारे जीवन में हैं। राम नाम का रस ही ऐसा है, जितना सुनिएगा, जितना मनन करिएगा, राम रस की प्यास उतनी बढ़ती जाती है। हमारे राम कौशल्या के राम, वनवासी राम, शबरी के राम, हमारे भांचा राम और हम सबके राम हैं। तीन दिनों तक चले इस महोत्सव में रायगढ़ राममयगढ़ हो गया। इस महोत्सव में नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तीन दिनों तक पंडाल खचाखच भरा रहा। बड़ी संख्या में पड़ोसी राज्यों से भी इस महोत्सव में शामिल होने के लिए मेहमान आए। उन्होंने कहा कि इस दौरान जिससे भी मिले सभी दोहे और चौपाई गुनगुनाते मिले।

ओड़िशा के रेल हादसे में जान गवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सबसे पहले ओडिशा के बालासोर में हुए रेल हादसे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि लाभ-हानि, जीवन-मरण, यश-अपयश भगवान के हाथ में होता है, मनुष्य के नहीं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने परिवार को खोया है, भगवान उन्हें यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें, उन्हें अपने चरणों में श्री स्थान दें।

प्रदेश की सभी नदियों के संरक्षण के लिए अलग से बनेगा प्राधिकरण

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समापन समारोह में छत्तीसगढ़ वनाच्छादित प्रदेश है, जहां कल-कल बहती नदियां हैं, जिनके किनारे हमारी संस्कृति बसती है। हमने अपनी नदियों और प्रकृति को बचाने का संकल्प लिया है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश की सभी नदियों के संरक्षण के लिए अलग से प्राधिकरण गठित किया जाएगा। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रायगढ़ इस दौरान राममय रहा, ऐसा लगा हम अयोध्या में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और भगवान राम का ननिहाल है। उन्होंने वनवास का सबसे लम्बा समय छत्तीसगढ़ में गुजारा, भगवान राम का हमारा युगों-युगों से संबंध है।

अरण्यकाण्ड प्रतियोगिता के विजेता दलों को पुरस्कृत किया गया

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के दौरान अरण्यकाण्ड पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कर्नाटक के दल को प्राप्त हुआ। दल प्रमुख को स्मृति चिन्ह, राजकीय गमछा, रामचरित मानस की प्रति और 5 लाख रूपए की राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार असम के दल को मिला उन्हें तीन लाख रूपए की पुरस्कार राशि का चेक तथा स्मृति चिन्ह, राजकीय गमछा, रामचरित मानस की प्रति और तृतीय पुरस्कार झारखंड के दल को प्रदान किया गया, उन्हें दो लाख रूपए की राशि के चेक के साथ स्मृति चिन्ह, राजकीय गमछा, रामचरित मानस की प्रति प्रदान किया गया। रायगढ़ नगर निगम महापौर श्रीमती जानकी काटजू ने मुख्यमंत्री को गदा भेंट किया।

भगवान राम के ननिहाल में भगवान राम के ससुराल से आयी हूं

सुप्रसिद्ध भजन गायिका मैथिली ठाकुर के भजन पर झूमे मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के समापन अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री मैथिली ठाकुर ने 'जय जोहर' सम्बोधन के साथ शुरूआत करते हुए कहा कि भगवान राम के ननिहाल में भगवान राम के ससुराल से आयी हूं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में राम वन गमन पथ तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में उनके द्वारा प्रस्तुत मिथला के लोक गीतों का ऐसा जादू चला कि मुख्यमंत्री और उनके साथ अन्य अतिथि अपनी जगह से उठकर झूमने लगे। भजन गायिका मैथिली ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल छत्तीसगढ़ के गीतों में गहरी रूचि रखते है, तो मिथला के लोक गीतों का उतना ही आदर करते है।

सुश्री मैथिली ठाकुर द्वारा कार्यक्रम में अद्भुत प्रस्तुति दी गई। उनके द्वारा मैथिली लोक गीतों से श्रीराम के मिथला प्रवास का सुन्दर वर्णन किया गया। मिथला में लोक गीतों में मासूम शरारत होती है। यही जनकपुर में आने पर मिथला के अतिथियों के साथ होता है। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में विश्वामित्र और राजा दशरथ से भी प्रश्न कर लिया, कि लोग अपने राजाओं से कितने करीब होते थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अतिथियों ने मंच पर पहुंचकर सुश्री मैथिली ठाकुर को पुष्पगुच्छ एवं रामचरित मानस की प्रति भेंटकर सम्मानित किया।

राजा वही जो गरीब से इंसाफ करे, शबरी के बेर खाकर जमाने को मोड़ दे-डॉ. कुमार विश्वास

रायगढ़ में राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के समापन पर सुप्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास ने 'अपने-अपने राम' की थीम पर मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि राजा वही जो गरीब से इंसाफ करे, शबरी के बेर खाकर जमाने को मोड़ दे। छत्तीसगढ़वासी भाग्यशाली है जो उन्हें यहां कौशल्य जैसी मां मिली है। डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि अभिज्ञान शकुंतलम का दुष्यंत हिरण के पीछे भाग रहा है, उसे ऋषि कुमार रोक देते है, यह भारत का लोकतंत्र है। उन्होंने प्रदेश में केलो नदी के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार द्वारा किये गए कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम की प्रस्तुति आरंभ करने से पहले उन्होंने ओडिशा के बालासोर में हुए रेल हादसे में अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। कवि डॉ. विश्वास ने कहा कि मैं यहां पिछले 30 वर्षों से आ रहा हूं लेकिन मुझे नहीं पता था कि मेरे राम का यहां इतना गहरा प्रभाव है। लोग कहते है कि आपके प्रदेश में क्या मिलेगा, तो अब मैं पूरे विश्व को बताऊंगा कि यहां शबरी और कौशल्या के राम मिलेंगे।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें भगवान श्रीराम के लिए इतना सुंदर कार्य करने का अवसर मिला है, यह सौभाग्य की बात है। कवि डॉ. विश्वास ने कहा कि मेघदूतम में भी लिखा गया है कि यहां के लोग सौभाग्यशाली है। महात्मा गांधी, भगवान श्रीराम से प्रभावित नहीं होते तो वे अंग्रेजों से इतनी बड़ी लड़ाई नहीं लड़ पाते। गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा कि शंकर जी पार्वती मैया को कहते हैं कि रामकथा संशय नष्ट करती है। मैं राम पर इसलिए कह रहा हूं कि ये कथा सबसे पहले वाल्मीकि ने सुनाई, फिर तुलसीदास जी ने, तमिल रामायण के रचियता कम्बन ने भी सुनाई। ये हमारी परंपरा है और मैं इसका निर्वाह कर रहा हूं। उन्होंने बताया कि एक सांसद शम्सी मीनाई लोहिया के शिष्य थे। उनकी कविता कुमार विश्वास ने सुनाई- मैं राम पर लिखूं मेरी हिम्मत नहीं है कुछ। तुलसी और वाल्मीकि ने छोड़ा नहीं है कुछ। लेकिन वतन की खाक से बाहर नहीं हूं मैं। वो राम जिसका नाम है जादू लिये हुए। और इस प्रकार राम का चरित्र है। राम और भरत का कोमल प्रसंग सुनकर आम जनता के साथ मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल भी भावुक हो गए।

नक्सलियों को बड़ा झटका: डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सल लीडर कट्टम की हार्ट अटैक से मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाडा। नक्सलियों के पोलित ब्यूरो के सदस्य और डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सली लीडर आनंद उर्फ कट्टम सुदर्शन की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह करीब 69 साल का था। बताया जा रहा है कि नक्सली लीडर सुदर्शन कई महीनों से डायबिटीज, बीपी सहित अन्य बीमारियों से जूझ रहा था। इलाज के अभाव में उसने 31 मई की दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर दम तोड़ दिया। नक्सलियों ने दंडकारण्य के जंगल में ही उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। अब नक्सली पांच जून से तीन अगस्त तक उसकी याद में देश भर में सभा का आयोजन करेंगे।

नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय ने दो जून को प्रेस नोट के साथ आनंद की तस्वीर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में जारी की है। प्रेस नोट में बताया गया है कि, बेलमपल्ली के मजदूर परिवार में आनंद का जन्म हुआ था। वह पिछले करीब पांच दशक से नक्सल संगठन में सक्रिय था। उसने केंद्रीय कमेटी से लेकर आंध्र-तेलंगाना, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में नक्सल संगठन की जिम्मेदारी संभाली थी। नक्सल संगठन को मजबूती देने, संगठन का विस्तार करवाने में माहिर था। इसकी मौत से नक्सलियों को बड़ा झटका लगा है।

बालासोर ट्रेन हादसे के बाद सुरक्षा पर जोर 2024 तक सभी ट्रेनों में स्थापित होगा कवच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के बालासोर जिले के बहनागा बाजार स्टेशन पर शुक्रवार देर शाम हुए ट्रेन हादसे के बाद केन्द्र सरकार ट्रेनों की सुरक्षा पर जोर देना शुरू कर दिया है। शनिवार को रेल मंत्रालय के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने कहा कि 2024 तक ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली (टीसीएएस) या कवच को देशभर की ट्रेनों में स्थापित किए जाने की संभावना है। कवच का पिछले साल परीक्षण किया गया था। यह तकनीक ट्रेनों को एक ही ट्रैक पर आने पर स्वचालित रूप से ब्रेक लगाने में सक्षम बनाती है।

बता दें ओडिशा के बालासोर जिले के बहनागा बाजार स्टेशन पर तीन अलग-अलग पटरियों पर बेंगलुरू-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, कोरोमंडल एक्सप्रेस और मालगाड़ी में तीन-तरफा दुर्घटना हुई। ओडिशा सरकार के विशेष राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार दोनों ट्रेनों के 17 डिब्बे पटरी से उतर गए थे और गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे। जिसमें लगभग 300 यात्रियों की जान चली गई जबकि 900 घायल हो गए। इस हादसे के बाद एक बार कवच को लेकर बहस छिड़ गई है।

जानिए क्या है एंटी ट्रेन प्रोटेक्शन?

भारतीय रेलवे ने चलती ट्रेनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए बनाई गई एंटी ट्रेन प्रोटेक्शन (ATP) प्रणाली को 'कवच' का नाम दिया है। कवच भारतीय उद्योग के सहयोग से अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (RDSO) द्वारा एक स्वदेशी रूप से विकसित एंटी ट्रेन प्रोटेक्शन (ATP) प्रणाली है। भारतीय रेलवे में ट्रेन संचालन में सुरक्षा के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे ने मार्च 2022 में इसका परीक्षण किया था। रेल मंत्रालय की मानें तो कवच न केवल लोको पायलट को सिग्नल पासिंग एट डेंजर और ओवर स्पीडिंग से बचने में मदद करेगा बल्कि खराब मौसम जैसे घने कोहरे के दौरान ट्रेन चलाने में भी मदद करेगा।

ऐसे काम करता है कवच

कवच ट्रेनों को खतरे पर सिग्नल पार करने और टक्कर रोकने के लिए सुरक्षा प्रदान करने के लिए है। यदि चालक गति सीमा के अनुसार ट्रेन को नियंत्रित करने में विफल रहता है तो यह ट्रेन ब्रेकिंग सिस्टम को स्वचालित रूप से सक्रिय करता है। यह ऐसे दो इंजनों के बीच टक्कर को रोकता है जिनमें कवच प्रणाली काम कर रही है। यदि देशभर के ट्रेनों में कवच प्रणाली विकसित हो जाती है तो रेल हादसों पर रोक लगने की पूरी संभावना है।

इस युग में अब कहां से लाएं नैतिकता

श्रीकंचनपथ

ओड़ीशा के बालासोर (बालेश्वर) में हुई एक ट्रेन दुर्घटना में 288 लोगों की मौत हो गई. कवच-फवच कहां गया, पता नहीं। दु:खद यह भी कि जहां दो ट्रेनें पहले ही भिड़ी पड़ी थीं, रेलवे के सदाबहार सिग्नल सिस्टम ने वहां तीसरी ट्रेन भी भेज दी। एक वाक्य में कहें तो सरकार से चल रही ट्रेनें तो संभल नहीं रही, वह रातों रात हाईस्पीड ट्रेन की दुनिया में पहुंच जाना चाहती है। इससे कम से कम भरे पेट वालों को सरकार की उपलब्धियां गिनाने का मौका तो मिल ही जाएगा। यह और बात है कि इन भरे पेट वालों में से अधिकांश अब ट्रेनों से यात्रा नहीं करते। वे या तो अपनी कार से जाते हैं या फिर सीधे फ्लाइट पकड़ते हैं। बहरहाल, कांग्रेस ने नैतिकता का तकाजा करते हुए रेल मंत्री से इस्तीफा मांगा है। पर यह भी दरअसल, एक औपचारिकता ही है। कुछ लोगों के मर जाने से अब किसी के कानों पर जूं नहीं रेंगती। नैतिकता-फैतिकता बीते दिनों की बातें हो चुकी है। अब तो एजेंडे की राजनीति होती है जिसमे जनता हमेशा से हाशिए पर रही है। नैतिकता की बात करें तो बहुत ज्यादा पीछे लौटने की भी जरूरत नहीं है। घटना 23 नवम्बर 1956 की है। देश को आजाद हुए ज्यादा दिन नहीं बीते थे। सीमित साधन थे, देश धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। ऐसे समय में हैदराबाद के निकट महबूबनगर में रेलवे पुल टूट गया। इस रेल हादसे में 144 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 200 से ज्यादा यात्री लापता हो गए थे। तत्कालीन रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश कर दी थी। इसके बाद एक और हादसा हुआ। शास्त्री ने फिर से अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया जिसे स्वीकार कर लिया गया। इसके सालों बाद रेल मंत्री नितीश कुमार ने एक रेल हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अगस्त 1999 को पद से इस्तीफा दे दिया था। अधिकारी भी इस मामले में पीछे नहीं रहे हैं। शिमला रेलखंड पर बरोग नामक एक स्टेशन और गुफा है। इस गुफा के नक्शे में कुछ गलतियों की वजह से दोनों तरफसे जब पहाड़ को काटा गया तो गुफाएं आपस में नहीं मिल पाईं। पहाड़ काटने का नक्शा इंजीनियर सैमुअल बरोग ने बनाया था। इस गलती के लिए अंग्रेज सरकार ने उनपर एक रुपए का जुर्माना लगाया। पर उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने प्राण उत्सर्ग कर दिये। स्टेशन और टनल उनकी यादगार के रूप में आज भी मौजूद हैं। पर यह सब बीते जमाने की बातें हैं। तरह-तरह का इतिहास पढ़ने वालों को इन घटनाओं से क्या? उन्होंने अपना-अपना फैसला सुरक्षित रख लिय है। जब तक फैसला सुनाने की घड़ी आएगी तब तक घटनाएं भुला दी जाएंगी। कुछ लोग निलंबित हो जाएंगे, किसी का प्रमोशन रुक जाएगा, दो चार बर्खास्त भी किये जा सकते हैं। पर देश इस हादसे को भी भुला देगा।

हर्ष मीडिया एडवरटाईजर्स के
बढ़ते कदम....

LED SCREEN
के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए
संपर्क करे

शॉप-12, प्रेस परिसर, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
शहीद भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

अब राजधानी रायपुर सहित
पूरे प्रदेश में....

- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- जयस्तंभ चौक, सिन्धु सदन, किरण होटल, रायपुर, जिला-रायपुर
- संदेश बन्धु बिल्डिंग परिसर, वीआईपी चौक मोड, वार्ड क्रमांक-51, तेलीबांधा, रायपुर, जिला-रायपुर
- पचपेड़ी नाका चौक, रायपुर, जिला-रायपुर
- मिलन स्वीट्स, रेलवे स्टेशन चौक, रायपुर
- नेशनल हाईवे-53, पावर हाउस रेलवे स्टेशन, भिलाई, जिला-दुर्ग
- पाटन पुल,उतई (मा. मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र), जिला-दुर्ग
- आकाशगंगा चौपाटी, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
- सिरसा गेट चौक, भिलाई-3, जिला दुर्ग
- अग्रसेन चौक, बिलासपुर, जिला - बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, टिकट काउंटर के सामने, गेट नं.-03, बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म नं.-01, गेट नं.-04, बिलासपुर
- पड़ाव चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली
- दाऊपारा चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली

Harsh Media Advertisers

Contact_-
9303289950
9131425618
9827806026

संपादकीय

रिश्तों में गर्मजोशी

पिछले साल के अंत में जब नेपाल की राजनीति में हुए नाटकीय घटनाक्रम के बाद कम्युनिस्ट नेता पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो कयास लगाये जा रहे थे कि अब नेपाल पूरी तरह चीन के प्रभाव में जा सकता है। इसकी वजह लंबे समय से भारत के खिलाफ नेपाल से चलाया जा रहा अभियान भी था। अब जब प्रचंड ने प्रधानमंत्री बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भारत को चुना तो कई आशंकाओं पर विराम लगा। फिर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जिस गर्मजोशी से उनकी मुलाकात हुई और महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया गया, उससे दोनों देशों के रिश्ते फिर से पटरी पर आते दिखे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस मुलाकात में सीमा विवाद और अग्निवीर जैसे विवादास्पद विषयों से परहेज किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी का बयान कि दोनों देश अपने संबंधों को हिमालय की ऊंचाई तक ले जाएंगे, भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगाता है। कहना अतिरंजित होगा कि दोनों देशों के रिश्ते इस यात्रा से हिट-सुपरहिट हो गये, लेकिन रिश्तों पर जमी अविश्वास की बर्फ किसी हद तक पिघली जरूर है। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच ऊर्जा, व्यापार व परिवहन को लेकर हुए समझौते नई उम्मीद जगाते हैं। निस्संदेह, भारत व नेपाल के बीच सदियों से सामाजिक, आर्थिक व समृद्ध सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। कहा जा सकता है कि दोनों देशों में रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है। प्रचंड की हालिया भारत यात्रा के दौरान हुए महत्वपूर्ण समझौतों ने उन्हीं संबंधों को नये सिरे से ऊर्जा प्रदान की है। जो निश्चित रूप से द्विपक्षीय रिश्तों को नये आयाम देगी। निश्चय ही कुछ समय से रिश्तों में चली आ रही तल्खी पर अब विराम लग सकेगा। नेपाल के साथ भारत की लंबी सीमा लगती है और देश के पांच राज्य उससे प्रभावित होते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित इस गर्मजोशी के मूल में नेपाल से सटे राज्यों में आगामी आम चुनाव में लाभ लेने की मंशा भी जताते हैं। बहरहाल, दक्षिण एशिया में शांति के दृष्टिगत दोनों देशों के मधुर संबंध वक्त की जरूरत भी हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में आई खटास को दूर करना भी बेहद जरूरी था क्योंकि चीन इस स्थिति का लाभ उठाने का कोई मौका नहीं चूकना चाहता है। वह नेपाल की अंदरूनी राजनीति में लगातार हस्तक्षेप करता रहा है। उसकी शह पर ही नेपाल में यह कुप्रचार किया जाता रहा है कि भारत उसके कई इलाकों पर कब्जा करना चाहता है। वहीं दूसरी ओर कई विकास परियोजनाओं में चीन की लगातार बढ़ती भागीदारी भी भारत की चिंता का विषय रहा है। बहरहाल, मतभेद व मनभेद को दूर करके आपसी सामंजस्य व सौहार्द के जरिये दोनों देशों में रिश्ते मजबूत करने के हालिया प्रयासों के दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। निश्चय ही संवाद से ही दोनों देशों के संबंध बेहतर हो सकते हैं। साथ ही क्षेत्र में समृद्धि और शांति की राह प्रशस्त हो सकती है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि विशिष्ट भौगोलिक स्थिति के चलते नेपाल में पन बिजली उत्पादन की अपार संभावनाओं के मद्देनजर भारत ने नई परियोजनाओं में सहयोग का वायदा किया है। भारत ने केवल नेपाल से बिजली खरीद रहा है बल्कि नेपाली विदेश नीति को संबल के लिये देश के माध्यम से बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति में सहयोग भी करेगा। इससे तीनों देशों के संबंधों को संबल मिलेगा। यही वजह है कि प्रचंड ने नरेंद्र मोदी की 'पहले पड़ोसी' की नीति को सराहा है। निश्चित रूप से इस बार की प्रचंड की भारत यात्रा के दौरान नेपाल के लिये भारतीय कार्गो ट्रेन की शुरुआत, मोतिहारी से नेपाल में अमेलखगंज तक तेल पाइपलाइन, इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट, व्यापार सुगमता के लिये डिजिटल भुगतान समझौते दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई देंगे। वहीं बिजली उत्पादन के लिये दीर्घकालीन समझौता दूरगामी सोच का विस्तार है। दूसरी ओर दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिये रामायण सर्किट योजना पर प्रचंड की सहमति दोनों देशों के लिये शुभसंकेत ही है। जाहिर है दोनों देशों के दीर्घकालीन हितों की पूर्ति के लिये रिश्तों की यह गर्मजोशी बेहद जरूरी है।

"जो निश्चित रूप से द्विपक्षीय रिश्तों को नये आयाम देगी। निश्चय ही कुछ समय से रिश्तों में चली आ रही तल्खी पर अब विराम लग सकेगा। नेपाल के साथ भारत की लंबी सीमा लगती है और देश के पांच राज्य उससे प्रभावित होते हैं।

तंबूरे ने उन्हें कबीर तक पहुंचा दिया

काशी में किसी दिन गंगा किनारे बैठकर जुलाहे कबीर गा गए, साधो यह तन ठाठ तंबूरे का ...। अर्थात, साधु, यह तन तंबूरे का ठाठ है, जब उसकी खूंटी मरोड़ी जाती है और जब उसके तार खिंचते हैं, तब भक्ति के गीत फूटते हैं। अगर खूंटी टूट जाए और तार बिखर जाएं, तब यह धूल का साज धूल में मिल जाता है। मतलब, जिंदगी तंबूरे के तमाशे जैसी है। वह तंबूरा, जो सूखी लौकी से बनता है और एक लौकी में भला कितना बल? खैर, तंबूरे के तमाशे में आगे भी बहुत कुछ जुड़ा, जैसे, तन तंबूरा, तार मन, अद्भुत है ये साज, हरि के कर से बज रहा, हरि ही है आवाज। तन के तंबूरे में दो सांसों की तार बोले, जय सिया राम राम..जय राधे श्याम। जहां कबीर हैं, वहां तो तंबूरा लिए राम, श्याम के साथ अल्लाह या साईं को भी जपा जा सकता है।

बेशक, अपने देश में जितना कागज पर दर्ज नहीं हुआ, उससे बहुत ज्यादा लोगों ने अपने दिलो-दिमाग में बसा रखा है। यादों के सहारे ही आज भी कबीर खूब गाए जाते हैं और उस दिन भी गाए जा रहे थे। मालवा क्षेत्र के उस गांव में पूनम की रात सजी हुई थी और पास के गांव से विज्ञान के एक शिक्षक भी कबीर गायन सुनने के लिए सादर बुलाए गए थे। ऐसे शिक्षक, जिन्होंने कबीर साहित्य को बस स्कूल के दिनों में दस अंक पाने के लिए पढ़ रखा था। वैसे भी स्कूली पढ़ाई में कबीर कब आते हैं और कब चले जाते हैं, शायद ही किसी पर उनकी छाप रह बचती है। उन 24 वर्षीय शिक्षक पर भी कबीर का कोई असर नहीं था। गायकों की मंडली एक से बढ़कर एक भजन छेड़ रही थी और शिक्षक महोदय का पूरा ध्यान तंबूरे पर लगा हुआ था। चार-पांच तार वाले इस बड़े साज से मधुर आवाज निकल रही थी। चांदनी रात थी और बस तंबूरा था। शिक्षक मंत्रमुग्ध थे, पता नहीं, तंबूरे की आवाज चांदनी को चमका रही थी या चांदनी की मधुरता तंबूरे के स्वर में घुल रही थी। कुछ जादू सा हो रहा था। शिक्षक ने कभी गौर ही नहीं किया था, वरना इस देश में तंबूरों की क्या कमी है। गाने वालों से ज्यादा तंबूरे हैं और तंबूरों से भी ज्यादा गीत-भजन हैं, पर उस रात गायकों का खजाना खाली ही नहीं हो रहा था, गाए चले जा रहे थे। जैसे द्रौपदी स्वयंवर के दिन अर्जुन का पूरा ध्यान मछली की आंख पर टिका था, ठीक उसी तरह से शिक्षक का पूरा मन तंबूरे से जा लगा था। जैसे ही गायन कार्यक्रम खत्म हुआ, शिक्षक पहुंच गए तंबूरा बजाने वाले के पास, बहुत प्यार से पूछा कि ये क्या है, कौन साज है? सामान समेटने की जल्दी में थे सब, किसी ने कहा, वीणो है, तो किसी ने कहा तंबूर, तंबूरा, तानपूरा है, तो किसी ने बताया, इसे शारदा भी कहते हैं। शिक्षक ने हसरत भरी निगाह से आग्रह किया, 'क्या मैं इस साज को हाथों में ले सकता हूं?' मंजूरी मिलते ही शिक्षक तंबूरे को पूरा बल लगाकर उठाने चले, पर वह साज तो बहुत हल्का था, तो सुखद आश्चर्य हुआ। तंबूरे को गोद में लेते ही रोम-रोम खिल उठा। शिक्षक ने आग्रह किया, 'मुझे यह बजाना सीखना है?' जवाब मिला, 'हां, जरूर सीख लो और बजाओ।' बात बढ़ी, तो सिखाने वालों ने सलाह दी, 'इसे सिर्फ बजाने से कुछ नहीं होगा, इसके साथ कुछ गाओ भी, तो ज्यादा अच्छा रहेगा।'

फिर क्या था, तत्काल शिक्षक ने एक भजन अभ्यास के लिए कागज पर लिख लिया, खेती करे तो थाने समझ बताऊं / बैल्या ने दुख ना दीजै, ऐसी खेती कीजै/ नीच संगत हर पीर भुगताए/ ...घर ही बैठो रीजै/ तू नीच संगत मत कीजै। शिक्षक तंबूरे के साथ घर लौटे और नियमित बजाने के अभ्यास ने उन्हें आमूल-चूल बदल दिया। उनके पास उतना सधा हुआ गला नहीं था, पर कबीर को तो गले से नहीं, निर्मल हृदय से गाया जाता है।

"सिद्धू की किताब के प्रकाशन से बरसों पहले सन् 2004 में मैं जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल जनरल एसके सिन्हा से मिला था। सिन्हा के बारे में मशहूर था कि उन्होंने मेहता चौक में निर्देशों के बावजूद सेना के इस्तेमाल की इजाजत नहीं दी थी। इसके एवज में वरिष्ठतम होने के बावजूद उन्हें थल सेनाध्यक्ष बनने से वंचित कर दिया गया था। सिन्हा भी श्रीनगर के अपने भव्य कार्यालय में देर तक ऐसे आरोप लगाते रहे थे।

पंजाब का जख्म जो सबक दे गया

शशि शेखर

हम पंजाब के मंड और दोआबा से गुजर रहे थे। मेरे प्रिय कवि अवतार सिंह 'पाश' इसी इलाके में जन्मे थे। यहीं से पुलिस ने उन्हें नक्सली मानकर गिरफ्तार किया और यातनाएं दीं। यहीं से वह निराश होकर अमेरिका गए, लेकिन जब आतंकवाद पनपने लगा, तो उन्हें लगा कि मेरी सरजमीं पुकार रही है। वह लौट आए, लेकिन एक दिन कुएं पर नहाते वक्त आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी।

पाश कहते थे, 'इस जमीन और यहां जन्मे लोगों से मेरा 'अंतरिक्ष' मिलता है।' पाश की कहानी पंजाब और वहां के लोगों की कहानी है।

दोआबा का वह छोटा-सा सफर यादों के लंबे सिलसिले के दरवाजे खोल गया। आज वहां के बाजारों में रौनक है, सड़कें मुसाफिरों से पटी पड़ी हैं। हर तरफ जिंदगी की लहलहाहट साफ दिखती है। एक पत्रकार के नाते मैंने इस जमीन को अपनी ही संतानों के खून से लाल होते हुए देखा है। आज 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का 40वां साल शुरू होने के मौके पर मुझे यह कहने में संकोच नहीं है कि मैं पंजाबियत की कुव्वत को सलाम करता हूं। यहां के बहादुर लोग अपने जख्मों को सहलाकर आगे बढ़ना जानते हैं।

पिछले दिनों दुबई से आए अमृतपाल ने पुराने जख्मों को फिर से हरा करने की कोशिश की, पर वह जन-समर्थन नहीं हासिल कर सका, जिसकी उसे दरकार थी। क्या पंजाब ने ऑपरेशन ब्लू स्टार और उसके बाद की घटनाओं से सबक लिया है? क्या राजनीतिज्ञ भी अब अलगाव के नाम पर चोर-सिपाही के खेल से आजिज आ चुके हैं?

इन सवालों के जवाब के लिए हमें 1970 के दशक में लौटना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश काडर के आईपीएस रहे गुरुबख्श सिंह सिद्धू ने अपनी किताब द खालिस्तान कॉन्सपिरेसी में इसका विस्तार से खुलासा किया है। सिद्धू का शुमार अपने समय के काबिल अफसरों में होता था। सिक्किम के भारत विलय में उनकी बड़ी भूमिका थी। इंदिरा गांधी की सरकार ने उन्हें कनाडा इस निर्देश के साथ भेजा था कि वह वहां जाकर खालिस्तानी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद करें। पश्चिम के कई देशों में इसी मकसद से 'रॉ स्टेशन' स्थापित करने के निर्देश भी उसी वक्त दिए गए थे। सिद्धू दावा करते हैं कि कनाडा पहुंचने पर उन्हें लगा था कि यहां मेरी कोई जरूरत नहीं है। कनाडा के प्रवासी सिख समाज के लिए तब तक 'खालिस्तान' कोई बड़ा मुद्दा नहीं था।

सिद्धू का आरोप है कि इंदिरा गांधी ने जैसे ही 1979-80 का चुनाव जीता, उनके पुत्र संजय गांधी ने अपने तीन मित्रों के साथ इसका खाका खींचना शुरू कर दिया था। ऐसा इसलिए किया गया था, ताकि भिंडरावाले के भय का भूत खड़ा किया जा सके और बाद में उसे काबू में कर अगला चुनाव जीता जा सके।

जीबीएस सिद्धू का दावा है कि भिंडरावाले को हरमंदिर साहिब के 'लंगर भवन की छत से उठाने के लिए' एक कार्यबल का गठन किया गया था। टास्क फोर्स के जवानों को इस मिशन के लिए खास प्रशिक्षण दिया गया था। इंदिरा गांधी के पास जब यह योजना स्वीकृति के लिए

पहुंची, तो उन्होंने मना कर दिया। क्यों? इस योजना के वास्तुकारों का मानना था कि स्थिति बिगड़ने पर ज्यादा खून-खराबा हो सकता है और इंदिरा इसके लिए तैयार न थीं। हालांकि, तब तक बात बिगड़ चुकी थी। भिंडरावाले 'संत' के तौर पर प्रसिद्ध हो चुका था। उसके एक आह्वान पर हजारों लोग मरने-मारने को तैयार थे। ऑपरेशन ब्लू स्टार इसी की परिणति था।

सिद्धू की किताब के प्रकाशन से बरसों पहले सन् 2004 में मैं जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल जनरल एसके सिन्हा से मिला था। सिन्हा के बारे में मशहूर था कि उन्होंने मेहता चौक में निर्देशों के बावजूद सेना के इस्तेमाल की इजाजत नहीं दी थी। इसके एवज में वरिष्ठतम होने के बावजूद उन्हें थल सेनाध्यक्ष बनने से वंचित कर दिया गया था। सिन्हा भी श्रीनगर के अपने भव्य कार्यालय में देर तक ऐसे आरोप लगाते रहे थे।

कई जानकार मानते हैं कि यह कुछ दिनों या महीनों में रचा गया ड्रामा नहीं था। सन् 1970 के दशक की शुरुआत में पश्चिम बंगाल की नक्सलबाड़ी से जन्मा नक्सलवादी आंदोलन पंजाब के युवाओं में भी आक्रोश भरने लगा था। पाश इसी का शिकार बने थे। वह आंदोलन तो तत्कालीन आईजी अश्विनी कुमार के कठोर रवैये के कारण दब गया, पर असंतोष अंदर ही अंदर खदबदाता रहा। क्या कमाल है! नक्सलवाद के जनक चारू मजूमदार धर्म को अफीम मानते थे, मगर उन्हीं के प्रशंसकों ने धार्मिक आधार पर रचे जा रहे अलगाववादी अंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभानी शुरू कर दी थी। पाश जैसे स्वतंत्र चेतना वाले लोग अराजकता और खूंरेजी से असहमत थे। जनवाद और जनप्रियता के बावजूद वे बेअसर साबित हुए। अराजकता के दौर में बुलंद से बुलंद आवाजें भी नक्कारखाने की तूती साबित होती हैं।

ऑपरेशन ब्लू स्टार तो तीन दिन में खत्म हो गया, पर वह हादसोंकी नई इबारत गढ़ चुका था। रामगढ़ छावनी में सैन्य विद्रोह, इंदिरा गांधी की हत्या और हजारों बेकसूरों की मौत कुचक्र के इस लंबे सिलसिले का हिस्सा बनीं। इससे पूर्व कई घटनाएं ऐसी हुईं, जिनसे लगता था कि या तो सरकार को लकवा मार गया है या जान-बूझकर उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। पंजाब पुलिस के उप-महानिरीक्षक अवतार सिंह अटवाल की वर्दी में हत्या इसका उदाहरण थी। अटवाल का शव घंटों स्वर्ण मंदिर की सीढ़ियों पर पड़ा रहा था। जानकार कहते हैं कि अगर उसी दिन सार्थक कार्रवाई की गई होती, तो यह नौबत नहीं आती।

जीबीएस सिद्धू ने भी जो लिखा, उसे सही या गलत कहने के पर्याप्त सुबूत मेरे पास नहीं हैं। उन्होंने जिन लोगों को इस 'थ्योरी' का रचयिता बताया, उनमें से दो आज भी जिंदा हैं। वे चाहते, तो सिद्धू के आरोपों का खंडन कर सकते थे। उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है।

यही वजह है कि जब अमृतपाल ने अजनाला थाने पर हमला किया, तो तमाम लोगों को लगा कि पंजाब की सरकार अवतार सिंह अटवाल की हत्या के वक्त की गई गलतियां दोहरा रही है। शुक्र है कि चंडीगढ़ की सरकार ने बात बिगड़ने से पहले उसे सलाखों के पीछे डाल दिया, लेकिन ऐसे कुचक्रियों के लिए कैद कभी-कभी संजीवनी का काम करती है। आज भी कुछ लोग आतंक और अलगाव की आवाज बुलंद करना चाहते हैं। पिछले दिनों अमेरिका में राहुल गांधी की सभा में तथाकथित खालिस्तान समर्थकों की नारेबाजी से इस तथ्य को आसानी से समझा जा सकता है। ऐसे लोग ऑपरेशन ब्लू स्टार और अक्तूबर-नवंबर, 1984 की हिंसा को अपने आंदोलन का महत्वपूर्ण मुकाम बताते हैं।

उम्मीद है, सियासत, सरकार, समाज और सिख पंथ से जुड़े लोग इन पर नजर रख रहे होंगे। 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' जैसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने का एकमात्र उपाय सतर्कता, सहयोग और समन्वय है।

जिंदगी बदलने के लिए बस एक कहानी काफी है

ध्वनित ठाकर, गुजराती अभिनेता

दुनिया के किसी भी समाज को सिर्फ इंजीनियर, डॉक्टर या प्रशासनिक अधिकारी नहीं चाहिए, उसे क्लर्क भी चाहिए, कंडक्टर भी और अभिनेता-नेता भी। इसलिए, तरह-तरह की कुंठाओं से घिरी एक बड़ी युवा आबादी को ध्वनित ठाकर से सीखने की जरूरत है कि किसी काम को छोटा-बड़ा समझे बिना तरक्की के लिए अवसरों का इस्तेमाल कैसे किया जाता है? अहमदाबाद के एक अत्यंत साधारण परिवार में ध्वनित पैदा हुए, पिता जीवन बीमा निगम में कार्यरत थे और मां गृहिणी। बचपन में ध्वनित कंडक्टर बनने के ख्वाब देखा करते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि पूरी बस के प्रबंधन का अधिकार उसी के हाथों में है। उसने घंटी बजाई, बस रुक गई और आवाज लगाई, बस चल पड़ी। जब थोड़े बड़े हुए, तो उनके भीतर सरकार बनने की चाहत पैदा हुई। अखबार में पढ़ते कि सरकार ने आज यह फैसला किया, सरकार ने वह निर्णय लिया। ध्वनित को लगता, सरकार कोई ऐसी शख्सियत है, जो ईश्वर के पास बैठकर इस दुनिया को चलाती है।

मासूम बालक अक्सर पिता से पूछता- पापा, सरकार कौन है? कैसी दिखती है? पिता हर बार मुस्कराते हुए यही जवाब देते- जब बड़े होगे, तो खुद पता चल जाएगा। उसके बाद तो उम्र के अगले पड़ावों पर ध्वनित ने किसान, शिक्षक, पुलिसकर्मी, डॉक्टर, इंजीनियर, न जाने क्या-क्या बनने के सपने देखे। वह पढ़ने में अच्छे थे, मगर गणित से उन्हें चिढ़-सी हो गई थी। वह भी इतनी कि बारहवीं के बाद इंजीनियर बनने का इरादा तो त्याग ही दिया, जिस आर्किटेक्चर विषय में दिलचस्पी हुई और उसकी प्रवेश-परीक्षा पास कर ली थी, उसमें भी काफी सारा गणित देखकर मन बदल लिया। बायो-टेक्नोलॉजी विषय में उनका मन रम गया था। ध्वनित ने अच्छे अंकों से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। पीजी में दाखिले के साथ वह अमेरिका जाकर जेनेटिक्स में शोध करने और कुछ ऐसा नया खोजने की योजना बना रहे थे, जिससे पूरी मानव जाति का भला हो। मगर नियति को कुछ और मंजूर था। पिता की अचानक मौत से परिवार के आगे 'सर्वाइवल' का संकट खड़ा हो गया। मां ने कभी बाहर कोई काम नहीं किया था। ऐसे में, जीवन बीमा निगम में अनुकंपा के आधार पर क्लर्क की नौकरी का मौका ध्वनित कैसे छोड़ सकते थे? नौकरी करते हुए तीन साल हो चुके थे। सन 2002 की बात है। एक दिन वह देवदास फिल्म देखने गए। फिल्म देखकर बाहर निकले, तो सिनेमा हॉल के सामने टंगे एक बड़े बैनर पर उनकी नजर पड़ी, जिस पर लिखा था- 'गेट हंटेड, द फर्स्ट रेडियो जॉकी हंट ऑफ इंडिया।' यह वह दौर था, जब इक्का-दुक्का रियलिटी शो आए थे, और उनके बारे में बहुत लोग नहीं जानते थे। बहरहाल, जिज्ञासु ध्वनित ने इसके बारे में पूछा, तो पता चला कि तीन भाषाओं- हिंदी, गुजराती और अंग्रेजी में एक स्क्रिरप्ट' पढ़नी होगी। ध्वनित ने स्क्रिप्ट देखी और फिर पूछा, क्या वह इसमें अपने तईं कुछ तब्दीली कर सकते हैं? उन्हें अनुमति मिल गई। उस लंबी पटकथा को छोटा करके ध्वनित अगले दिन ऑडिशन देने पहुंचे। करीब 1,800 प्रतियोगी इस प्रतियोगिता में शामिल हुए थे। दो माह तक ऑडिशन चलता रहा और अंत में ध्वनित इसके विजेता घोषित किए गए।

भारत के स्थायित्व की कहानी, संस्थानों और कार्यों से जुड़ी

अरुणाभ घोष

सतत विकास के लिए नीतियों की जरूरत होती है, लेकिन इसके लिए लोगों की भी आवश्यकता होती है। जब तक हम ऊर्जा स्त्रोतों में बदलाव और सतत विकास को लोगों के करीब नहीं लायेंगे, तब तक हम पर्यावरण-अनुकूल और जनहितैषी प्रभाव तथा कार्यक्रमों के सतत संचालन से जुड़ी सामुदायिक कार्रवाई के लिए आवश्यक कठोर निर्णयों के प्रति दीर्घकालिक सामाजिक समर्थन प्राप्त नहीं कर सकते। यही कारण है कि, जब भारत के सतत विकास से जुड़ी पहलों की बात आती है, तो शब्दों से अधिक कार्रवाई में ही स्पष्टता दिखती है।

सतत विकास केवल एक पर्यावरणीय चिंता नहीं है, यह वह दृष्टिकोण है, जिसके माध्यम से आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन भी हमारे सामने आता है। छोटे किसानों पर विचार करें। भारत फलों और सब्जियों के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन इस उत्पादन का एक अनुमान के मुताबिक 5-16 प्रतिशत सालाना बर्बाद हो जाता है। हालांकि, नवीकरणीय ऊर्जा से परिचालित आजीविका उत्पादों के साथ, बदलाव के उदाहरण जमीन पर स्पष्ट होने लगे हैं। आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गांव मुसलरेड्डीगरीपल्ली में, महिलाओं के समूह बैंगन, टमाटर, करेला और केले को बर्बाद होने से बचाने के लिए, सौर ऊर्जा संचालित ड्रायर में सुखाकर हर महीने लगभग 3.5 लाख रुपये अर्जित कर रहे हैं। जब सबसे कमजोर और वंचित समुदाय अपने जीवन और आजीविका, नए बाजार तथा व्यवसायों से संबंधित अवसरों को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर स्थायी समाधानों को प्रदर्शित करने में सक्षम होते हैं, तो इसे राष्ट्रीय नीति रूपरेखा में शामिल किया जाता है। भारत अब आजीविका के लिए नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी नीति बनाने वाला पहला देश है।

इस तरह के कार्यों के माध्यम से, इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से,सतत विकास के लिए भारतीयो की दृष्टि में बदलाव हुए हैं। इसके तीन घटक हैं, जो वैश्विक दक्षिण के अन्य देशों के लिए एक हरित और समावेशी अर्थव्यवस्था की रूपरेखा के रूप में कार्य कर सकते हैं।

पहला, विकास को नागरिक केंद्रित बनाना। चाहे वह सौभाग्य योजना हो, जिसने लगभग 100 प्रतिशत घरेलू विद्युतीकरण सुनिश्चित किया है, या उज्जवला योजना हो, जिसके तहत स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए 9.5 करोड़ एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, या स्मार्ट मीटर की शुरुआत हो, जो वास्तव में लोगों के हाथों में ही बिजली-आपूर्ति के संचालन की सुविधा देता है। भारत ऊर्जा-स्त्रोतों में बदलाव को एक घरेलू कार्य बना रहा है। उजाला योजना, जिसका उद्देश्य एलईडी प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण करना है, सालाना लगभग 3.9 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को बचाने का प्रबंधन कर रहा है। इसके साथ, जल जीवन मिशन ने 8 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की सुविधा दी है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत प्रगति हो रही है, जिसके अंतर्गत 2026 तक चुनिंदा शहरों में अति सूक्ष्म कण वायु प्रदूषण को 40 प्रतिशत तक कम करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के लिए स्वच्छ भारत मिशन आदि ऐसे उदाहरण हैं, जो दिखाते हैं कि कैसे सतत विकास से जुड़े बड़े पैमाने के कार्यक्रम भी लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। जब हम इस तरह के नागरिक-केंद्रित पहलों का विस्तार करते हैं, तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि घरों से वास्तविक समय पर और उच्च गुणवत्ता युक्त डेटा प्रवाह को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है एवं तकनीकें और संबंधित योजनायें जमीन पर काम कर रहीं हैं। ऐसी योजनाओं के कार्यान्वयन के संबंध में, शासन के सभी स्तरों के अधिकारियों को लोगों से समय-समय पर प्रतिक्रिया लेने की आवश्यकता है।

दूसरा, अर्थव्यवस्था-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से सतत विकास को बड़े पैमाने पर गति देना। 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन तक पहुंचने के लिए, भारत की ऊर्जा प्रणाली और आर्थिक संरचना दोनों को बदलने की आवश्यकता है। यह पहल, यहां कई मोर्चों पर आगे बढ़ रही है। देश में अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नवीकरणीय और सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता है। सीईईडब्ल्यू, एनआरडीसी और एससीजीजे के विश्लेषण के अनुसार, भारत का नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र 2030 तक 10 लाख लोगों को रोजगार देगा। भविष्य के इस कार्यबल को प्रशिक्षित करने के लिए, स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स कर्मचारियों को हरित व्यवसायों और सेवाओं के लिए प्रशिक्षण दे रही है। ग्रामीण भारत भी इस बदलाव से अछूता नहीं है। वितरित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादों के पास 4 लाख करोड़ रुपये का बाजार अवसर है और ये जमीनी स्तर पर महिलाओं को सीधे सशक्त बना रहे हैं। इसी तरह, पीएम-कुसुम योजना, जिसके तहत अक्टूबर 2022 तक 1.5 लाख सिंचाई पंपों को सौर ऊर्जा परिचालित बनाया गया है, का उद्देश्य किसानों के सिंचाई बिलों को कम करते हुए उनकी आय में वृद्धि करना है। जैसे-जैसे दुनिया जीवाश्म ईंधन से दूर जा रही है, हम भविष्य के ईंधन, विशेष रूप से हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भी बड़े कदम उठा रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के साथ, भारत विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता से समझौता किए बिना, उर्वरक और इस्पात जैसे भारी उद्योगों को कार्बन-उत्सर्जन मुक्त बनाने के लिए हरित हाइड्रोजन का उपयोग कर सकता है।

ये वास्तव में भारत की शहरी और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बड़े कदम हैं। हालांकि, उनकी वास्तविक क्षमता के उपयोग के लिए इन कदमों की बड़े पैमाने पर विस्तार करने की आवश्यकता है, जिनमें शामिल हैं - विनिर्माण के क्षेत्र में उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (विशेष रूप से केवल स्वच्छ तकनीकी उत्पादों की जोड़ने के बजाय उच्च मूल्यवर्धन पर ध्यान केंद्रित करना), पूंजी सहायता में वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण और खरीदारों के लिए प्रोत्साहन (फेम जैसी योजना, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है) आदि।

तीसरा, भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सतत विकास से जुड़े पहलों को मजबूत कर रहा है। 2015 में भारत और फ्रांस द्वारा शुरू किए गए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) को सौर ऊर्जा की कीमतों को कम करने, सकल मांग को कम करने और 115 हस्ताक्षरकर्ता देशों के बीच सहयोगी अवसर पैदा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसी तरह, 2019 में भारत द्वारा लॉन्च किया गया आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का सामना कर रहे क्षेत्रों में सहनशील अवसंरचना के निर्माण को बढ़ावा दे रहा है। अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के तहत, भारत की योजना 2030 तक वन आच्छादित क्षेत्र के माध्यम से 2.5-3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड का कार्बन सिंक बनाने की है। आर्द्रभूमि के प्रबंधन में सुधार (जलवायु जोखिमों को कम करने में उनकी भूमिका सहित) और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा रहे हैं। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में पार्टियों के सम्मेलन की मेजबानी करते हुए भारत ने 26 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने की भी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

अंत में, मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के माध्यम से, भारत ने सतत विकास के लिए सतत खपत को विचार-विमर्श के केंद्र में रखा है। इसने न केवल अपने नागरिकों, बल्कि अन्य देशों के लोगों के लिए भी के लिए एक चुनौती पेश की है, जो एक चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिए व्यवहार को बढ़ावा देने, बाजारों को सक्षम करने एवं आकांक्षाओं को फिर से परिभाषित करते हुए; अर्थव्यवस्था को विकसित करने और जीवन के अवसरों और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने से संबंधित है।

भारत ने घोषणा की है कि हरित विकास, 2047 तक एक विकसित देश बनने की उसकी यात्रा के सात स्तंभों में से एक होगा। पहले प्रदूषण फैलाने और बाद में सफाई करने का आसान रास्ता चुनने के प्रलोभन के बावजूद; कैसे रोजगार, विकास और स्थायित्व एक साथ चल सकते हैं, को प्रदर्शित करने के लिए, दस कठिन विकल्पों का चयन कर रहा है। लेकिन जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के नुकसान और प्रदूषण - पृथ्वी के इस तिहरे संकट से अकेले मुकाबला नहीं किया जा सकता है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नियमों का पालन, प्रतिबद्धताओं की पूर्ति, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का सह-विकास और कम लागत पर अधिक पूंजी तक पहुंच की सुविधा की आवश्यकता है। अंततः इस सतत विकास की गाथा का जादू, हमेशा लोगों और समुदायों को जिम्मेदारी व संचालन वापस देने में निहित रहेगा।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
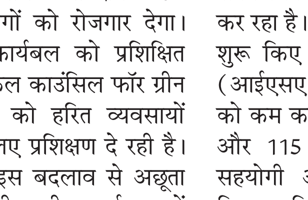
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

खास खबर

भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों का किया जाएगा बचाव - जिला न्यायाधीश संतोष शर्मा

रायपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन एवं माननीय श्री न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार अध्यक्ष/जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय संतोष शर्मा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों का बचाव किया जा रहा है जिसमें विगत दिनों में लगभग 8 से भी अधिक बच्चों का बचाव किया गया है।वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वालिंटियर्स के द्वारा नालसा की योजनाओं के लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है। जिसकी कड़ी में नालसा की बच्चों के साथ मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना और सालसा की प्रयास योजना के अंतर्गत में बचाव करते हुए पुलिस थाना व चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचित करते हुए विधिनुसार कार्यवाही करने के बाद बच्चों को सुरक्षित रूप से चाइल्ड हेल्पडेस्क के अधिकारियों को सौंपा जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप सेरूपेश सावरकर,सुप्रभात हलदार,शबनम खान,सुश्री हेमकल्याणी दर्शन,जयेन्द्र साहू, सुश्री राखी कौशिक व अन्य वलिंटियर्स द्वारा मुख्य भूमिका निभाई जा रही है।इस अभियान के दौरान शहर के आमजनों द्वारा भी पूर्ण समर्थन मिलता दिख रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाषण और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण जागरूकता पर आधारित भाषण और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का विषय है ''व्यक्तिगत आदतों एवं व्यवहारों में परिवर्तन लाकर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी करना। प्रतियोगिता 04 जून प्रातः 10 बजे से सिविल लाईन स्थित नवीन विश्राम गृह के कन्वेंशन हाल में आयोजित होगी। प्रतिभागी प्रातः 9.30 बजे उपस्थित होकर प्रतियोगिता के लिए पंजीयन करा सकते हैं। भाषण प्रतियोगिता दो आयु वर्गों 13 से 17 वर्ष व 18 से 21 वर्ष तथा पोस्टर प्रतियोगिता तीन आयु वर्गो 12 वर्ष तक, 13 से 17 वर्ष एवं 18 से 21 वर्ष के लिए होगी। सभी वर्गो के लिए पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। प्रतिभागियों को अपना पहचान एवं आयु प्रमाण पत्र साथ में लाना होगा। विजेता प्रतिभागियों को 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर न्यू सर्किट हॉउस में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा।

रामकथा के जीवंत मंचन ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर, सीता हरण, रावण वध सहित कई प्रसंगों की दिल को छू लेने वाली प्रस्तुति

केरल, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के कलाकारों का दिखा विशिष्ट अंदाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के तीसरे दिन आज रायगढ़ के रामलीला मैदान में केरल, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले की रामायण मंडलियों ने प्रतियोगिता वर्ग में महाकाव्य रामायण के अरण्य कांड के विभिन्न प्रसंगों पर भावपूर्ण प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन सभी रामायण मंडलियों ने अपने क्षेत्र की पारंपरिक वेशभूषा और अपने-अपने विशिष्ट अंदाज में रामकथा की संगीतमय नाट्य प्रस्तुति दी। सभी रामायण मंडलियों की प्रस्तुति मन को छूने वाली रही।

आज केरल से आए कलाकार दल ने पारंपरिक लोक वेशभूषा में प्रस्तुति दी। इस अवसर पर उन्होंने रामकथा से जुड़े प्रसंगों की मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। केरल की रामायण मंडली ने संगीतमय प्रस्तुति देते हुए सूर्पणखा प्रसंग से लेकर रावण वध तक के प्रसंग की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। पारंपरिक वेशभूषा के साथ इस प्रस्तुति में केरल में भगवान राम की महिमा की सुंदर अभिव्यक्ति दी गई, कलाकारों ने भक्ति और भाव के मिश्रण का जीवंत प्रदर्शन किया। इस दल के कलाकारों की आंखों को भाने वाली रंग-बिरंगी पोशाक और शास्त्रीय नृत्य कथकली की शैली में दी गई प्रस्तुति ने चार-चांद लगा दिए।

उत्तरप्रदेश की रामायण मंडली द्वारा अरण्य कांड पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। उनकी प्रस्तुति में खास बात यह है कि सभी पात्र अपने-अपने संवाद खुद बोल रहे थे। संगीत बैकग्राउंड में सुनाई दे रहा है। इनकी प्रस्तुति छत्तीसगढ़ की राम लीला की याद दिलाती है। बंगाल के रामायण की अद्भुत प्रस्तुति मूल रूप कृतिवास की रामायण पर आधारित थी। वाल्मीकि ही नहीं है अपितु कृतिवास की कल्पनाशीलता ने मंचन को और भी अधिक प्रभावोत्पादक बना दिया।

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सबसे पहले ओडिशा के बालासोर में हुए रेल हादसे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि लाभ-हानि, जीवन-मरण, यश-अपयश भगवान के हाथ में होता है, मनुष्य के नहीं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने परिवार को खोया है, भगवान उन्हें यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें, उन्हें अपने चरणों में श्री स्थान दें।

संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रायगढ़ इस दौरान राममय रहा, ऐसा लगा हम अयोध्या में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और भगवान राम का ननिहाल है। उन्होंने वनवास का सबसे लम्बा समय छत्तीसगढ़ में गुजारा, भगवान राम का हमारा युगों-युगों से संबंध है।

राज्य के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में पहला वर्ल्ड रिकार्ड अरण्य कांड पर सबसे ज्यादा समय तक, तीन दिनों तक लगातार 765 मिनट तक अरण्य कांड का मंचन करने पर बना। छत्तीसगढ़ सहित 13 राज्यों और दो विदेशी दलों के 17 दलों के 375 कलाकरों ने इसमें हिस्सा लिया। राज्य के संस्कृति विभाग को 'मोस्ट स्टेज आर्टिस्ट परफार्मिंग ऑन अरण्यकाण्ड' का रिकॉर्ड प्रदान किया गया। सबसे ज्यादा कलाकार और सबसे देर तक चलने वाले अरण्य कांड पर कार्यक्रम के लिए यह रिकार्ड बना। रायगढ़ जिला प्रशासन को भी 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए वर्ल्ड रिकार्ड प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ के संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन रायगढ़ को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के दौरान अरण्यकाण्ड पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कर्नाटक के दल को प्राप्त हुआ। दल प्रमुख को स्मृति चिन्ह, राजकीय गमछा, रामचरित मानस की प्रति और 5 लाख रूपए की राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार असम के दल को मिला उन्हें तीन लाख रूपए की पुरस्कार राशि का चेक तथा स्मृति चिन्ह, राजकीय गमछा, रामचरित मानस की प्रति और तृतीय पुरस्कार झारखंड के दल को प्रदान किया गया, उन्हें दो लाख रूपए की राशि के चेक के साथ स्मृति चिन्ह, राजकीय गमछा, रामचरित मानस की प्रति प्रदान किया गया। रायगढ़ नगर निगम महापौर श्रीमती जानकी काटजू ने मुख्यमंत्री को गदा भेंट किया। समापन समारोह में कंबोडिया, इंडोनेशिया सहित सभी राज्यों तथा जूरी मेम्बरों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल, संसदीय सचिव श्री चन्द्रदेव राय, विधायक श्री प्रकाश नायक, विधायक श्री लालजीत सिंह राठिया, विधायक श्री राम कुमार यादव, विधायक चक्रधर सिंह, विधायक श्री लालजीत सिंह राठिया सहित अनेक विधायक, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, पूर्व सांसद श्री नंदकुमार साय, पूर्व विधायक श्री बोधराम कंवर, रायगढ़ नगर निगम महापौर श्रीमती जानकी काटजू तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री निराकार पटेल, संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य, कलेक्टर रायगढ़ श्री तारन प्रकाश सिन्हा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कृतिवास ने राम के कोमल पक्षों को उभारा है, वे बहुत भावुक हैं और चूंकि अरण्य कांड में सीता हरण जैसे कारुणिक प्रसंग हैं अतएव यह भावुकता इस कथा में स्पष्ट रूप से उभरती है। सुमधुर बांग्ला भाषा में यह कथा कही गई। और बात दंडकारण्य की हो रही है। यह भारत की अद्भुत सांस्कृतिक एकता है। बंगाल से कृतिवास से लेकर तमिल के कम्बन तक सबके सृजन की भूमि एक ही है। दंतेवाड़ा के सुदूर वनांचल क्षेत्र बचेली से आए रामायण मंडली ने भी रोचक अंदाज में प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। इस टीम में महिला सशक्तिकरण की भी साफ झलक दिखाई पड़ती है।

जगमग दीप के साथ केलो मैय्या की महाआरती मुख्यमंत्री ने गोबर से बने दिए से किया दीपदान

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज रायगढ़ में केलो मैय्या की महाआरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने गौ माता को चारा खिलाकर गोधन समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री बघेल ने इस मौके पर गोबर से बने रंग-बिरंगे दिए से दीपदान किया। जगमग दीप के साथ केलो मैय्या की महाआरती की भव्यता ने बनारस के गंगा घाट की याद दिला दी। ऐसा लग रहा था मानो गंगा मैय्या साक्षात् रायगढ़ की धरती पर उतर कर लोगों को भक्ति रस से सराबोर कर रही हो। इस अवसर पर केलो मैय्या के जयकारे के साथ पूरा घाट गुंजायमान हो गया और महौल भक्तिमय हुआ। मुख्यमंत्री बघेल के केलो महाआरती कार्यक्रम में पहुंचने पर स्थिति केलो उद्धार समिति और सर्व समाज के लोगों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। महाआरती कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, विधायक चक्रधर सिंह, गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजे महंत डॉ. रामसुन्दर दास सहित अनेक जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

तम्बाकू मुक्ति केन्द्र के तम्बाकू छोड़े हुए मरीजों को प्रशस्ति पत्र एवं डेंटल किट प्रदान प्रदान कर किया गया सम्मानित

कलेक्टर ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में नशे का सेवन नहीं करने के लिए सभी को दिलाई शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नशे का सेवन नहीं करने के के लिए सभी को शपथ दिलाई। इस दौरान तम्बाकू मुक्ति केन्द्र के तम्बाकू छोड़े हुए मरीजों को प्रशस्ति पत्र एवं डेंटल किट प्रदान प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट के छात्रों द्वारा पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर 'हमें पौष्टिक आहार की आवश्यकता है, तम्बाकू की नहीं' थीम पर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार बसोड़ एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भूमिका वर्मा एवं शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. पूजा मेश्राम के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तम्बाकू, गुटखा एवं अन्य तम्बाकू उत्पादों के स्वास्थ्य में होने वाली हानि के बारे में स्लोगन, पाम्पलेट वितरण के माध्यम से जागरूकता किया गया। रैली में समस्त शहरी मितानिन, डेंटल कॉलेज के छात्र एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। मुख जांच शिविर एवं तम्बाकू मुक्त हेतु परामर्श दिया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों एवं डेंटल कॉलेज के डेंटिस्ट द्वारा समस्त शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों का मुख परीक्षण किया गया एवं ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कर अन्य डेंटल सामग्री एवं दवाईयां वितरण किया गया। मदर टेरेसा फाउंडेशन के युवा कार्यकर्ता द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें तम्बाकू से होने वाली बीमारियों को छोडने का उपाय, कोटपा एक्ट, जिला चिकित्सालय में संचालित तम्बाकू मुक्ति केन्द्र के बारे में बताया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, जिला चिकित्सालय, एसडीएम कार्यालय, नगर निगम कार्यालय एवं जिले के 20 से अधिक शासकीय कार्यालयों में तम्बाकू मुक्ति हेतु शपथ ग्रहण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के दिन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार बसोड़ एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भूमिका वर्मा द्वारा कार्यालय को तम्बाकू मुक्त घोषित किया गया। पेंटिंग कार्य करते हुए एवं स्टीकर के माध्यम से लोगों मे जागरूकता फैलाते हुए कार्यालय को साफ रखने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार बसोड़ ने प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अपने जीवन में किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों का उपयोग नहीं करना चाहिए। अपने परिजनों, मित्रों तथा परिचितों को भी तम्बाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने हेतु प्रेरित करें। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सेल्फी स्टैंडी में सेल्फी लेकर अभियान को सफल बनाया। समस्त कार्यक्रम जिला सलाहकार एनटीसीपी डॉ. निहारिका टोपनो एवं सोशल वर्कर गीतू साहू के सहयोग से पूर्ण किया गया।कलेक्टर डोमन सिंह के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा शहर के शैक्षणिक संस्था व स्कूलों के आस-पास कोटपा एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई एवं समझाईश दी गयी।

पतुरियाडांड गौठान में युकाइंयों ने किया श्रमदान

कोरबा। मल्टीयुटीलिटी सेंटर के रूप में जिले के गौठान विकसित किये जा रहे हैं। आजीविका से जुड़ी कई गतिविधियां यहां पर संचालित है। उसके माध्यम से महिलाओं को रोजगार मिला हुआ है। विकासखंड के युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पतुरियाडांड पहुंचकर स्थानीय गौठान में श्रमदान किया। बताया गया कि संगठन द्वारा. मेरा गौठान मेरा स्वाभिमान, अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं को ऐसे कार्यों से जुडने का दायित्व दिया गया है। उन्हें मौके पर पहुंचकर गौठान की कार्यप्रणाली करीब से देखना है और इसे प्रचारित करना है। इसी कड़ी में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता पाली तानाखार विधानसभाध्यक्ष अंकित पाल के नेतृत्व में पतुरियाडांड पहुंचे।

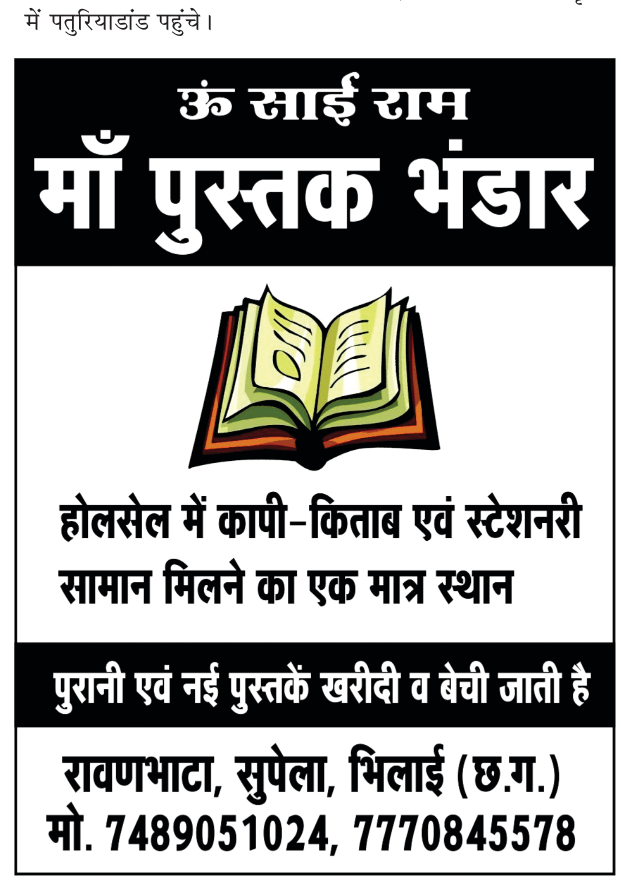

खास खबर...

ट्रक चालकों-परिचालकों को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

रायपुर (ए)। मंदिर हसौद थाना प्रभारी वीरेंद्र चंद्रा ने हिंदुस्तान कारपोरेशन लिमिटेड मंदिर हसौद में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में ट्रक चालकों और परिचालकों को गुरजीत सिंह (उप पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर) के मार्गदर्शन पर यातायात पुलिस के प्रशिक्षक टीके भोई और आरक्षक सहदेव वर्मा ने सड़क दुर्घटना के घटक के बारे में बताते हुए कहा कि ज्यादातर ट्रक चालक दाहिने लेन को पकड़कर ही अपना वाहन चलाते हैं और अपने से तेज रफ्तार आने वाले वाहनों को ओवरटेक के लिए जगह नहीं देते। इसके कारण वह वाहन चालक बायें दिशा से ओवरटेक करते हैं जिससे सड़क दुर्घटना होने की संभावना ज्यादातर बनी रहती है। साथ ही सड़क दुर्घटना होने पर ट्रक चालक अपना वाहन छोड़कर नजदीक पुलिस थाना या घटनास्थल से भाग जाते हैं और उसकी जानकारी पुलिस को तत्काल नहीं देने के कारण घायल का समय पर उपचार नहीं होने से सड़क दुर्घटना में मौत होती है। इसको देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आम नागरिक को दिए गए अधिकार गुड सेमेरिटन योजना के बारे में जानकारी दी गई।कार्यक्रम में मंदिर हसौद थाना प्रभारी वीरेंद्र चंद्रा द्वारा उपस्थित सभी वाहन चालकों को अपना वाहन सड़क एवं सर्विस लेन पर पार्किंग नहीं करने के संबंध में निर्देशित करते हुए यातायात के सभी नियमों का पालन करने अपील किया। कार्यक्रम में सत्येंद्र सिंह श्याम थाना प्रभारी गोबरा नवापारा, सहायक उप निरीक्षक विनोद सिंह थाना मंदिर हसौद, थाना स्टाफ एवं लगभग 200 की संख्या में ट्रक चालक परिचालक उपस्थित रहे।

कबीर जयंती पर रहेगा शुष्क दिवस मदिरा बेचने-परोसने की अनुमति नहीं

रायपुर। राज्य शासन द्वारा 4 जून को कबीर जयंती के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित किया गया है। वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग मंत्रालय महानदी भवन द्वारा आज जारी आदेश के अनुसार शुष्क दिवस के दौरान प्रदेश में समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों तथा होटल बार व क्लबों को बंद रखा जाएगा। साथ ही दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, क्लबों में मदिरा बेचने व परोसने की अनुमति नहीं होगी। गैरमालिकाना क्लबों, रेस्टोरेंट, स्टार होटलों और किसी भी व्यक्ति द्वारा संचालित होटलों में मदिरा विक्रय या परोसने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस दिन मदिरा के व्यक्तिगत और गैर लायसेंस प्राप्त परिसरों में मदिरा भण्डारण पर सख्ती से रोक लगाने और उन्हें जप्त कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। आबकारी विभाग के उड़नदस्ता टीमों द्वारा शुष्क दिवस में अवैध रूप से मदिरा के परिवहन और विक्रय पर कार्यवाही करने को कहा गया है।

प्री इंजीनियरिंग व मेडिकल परीक्षा की तैयारी कराएंगे फ्री

रायपुर (ए)। राज्यभर के अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के ऐसे छात्र जो बारहवीं पास कर चुके हैं और ड्राप लेकर प्री इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करना चाहते है। ऐसे इच्छुक पात्र छात्र 21 जून तक आवेदन कर सकते हैं। आदिवासी विकास विभाग प्रवेश परीक्षा लेकर 100 अभ्यर्थियों का चयन करेगा, जिन्हें परीक्षा के लिए कोचिंग दी जाएगी। इसमें 64 अनुसूचित जनजाति तथा 36 अनुसूचित जाति के विद्यार्थी शामिल होंगे।

आदिवासी विकास विभाग रायपुर के सहायक आयुक्त ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन कलेक्टोरेट परिसर में स्थित सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग के कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। आवेदन एवं विज्ञापन से संबंधित विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट www.tribal.cg.gov.in पर अपलोड कर दी गई है। इसलिए आवेदन पत्र वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। परीक्षा से संबंधित जानकारी जैस, परीक्षा केंद्र, परीक्षा परिणाम आदि की सूचना भी वेबसाइट से ली जा सकती है।

एक लड़की पांच दीवानेः मंच पर लड़कों की मानसिकता को बखूबी दर्शायां

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसायटी की ओर से शनिवार को नाटक एक लड़की पांच दीवाने का मंचन जनमंच सड्डू, रायपुर में किया गया। हरिशंकर परसाई की व्यंग्य कथा पर आधारित इस नाटक का नाट्य निर्देशन सुप्रसिद्ध नाट्य निर्देशिका रचना मिश्रा ने किया है। हरिशंकर परसाई अपने वक्त से बहुत आगे की बात बेहद चुटीले अंदाज में लिखते थे। इस नाटक में एक लड़की है और उसके पांच दीवाने हैं। करीब पांच दशक पहले लिखी इस कथा की नायिका अपने सभी दीवानों के मन में प्यार का भ्रम पैदा करती है, लेकिन जब जीवन साथी चुनने की बारी आती है तो आज की आधुनिक युवती की तरह ही उस शख्स का चुनाव करती है जो जिंदगी में सैटल है।

परसाई की इस कहानी को रचना मिश्रा के निर्देशन में उनके सहयोगियों ने बेहद ही शानदार ढंग से प्रस्तुत किया। पांच लड़की एक दीवाने यह नाटक वर्तमान समय के प्रेम की दास्तां को दर्शाता है। नाटक एक ओर दर्शकों को गुदगुदाता है, साथ ही यह संदेश देता है कि लड़कियां लड़कों की चापलूसी से नहीं उनकी काबिलियत से प्रभावित होती हैं। जिस प्रकार वर्तमान में लड़कियों का ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए आजकल लड़के अजीबोगरीब हरकतें करते हैं। हाल यह होता है कि एक लड़की के कई दीवाने होते हैं और ये दीवाने अपने मन में प्रेमिका मान बैठे लड़की को इंप्रेस करने के लिए हर मुमकिन प्रयास करते हैं। यही दिखाया गया नाटक 'एक लड़की पांच दीवाने में। नाटक निम्न मध्यवर्गीय परिवार की एक ऐसी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है जिसकी खूबसूरती का पूरा मोहल्ला दीवाना है। मोहल्ले के 20 से लेकर 50 साल के पुरूष उसे अपनी प्रेमिका की नजर से देखते हैं। मोहल्ला ऐसा है कि जहां के लोग 12-13 साल की बच्ची को भी घूर-घूरकर जवान बना देते हैं।

लड़की को देखकर दीवानों के रेगिस्तान जीवन में थोड़ी सी हरियाली आ जाती है और वे उसे देवी जैसे पूजने लगते हैं। यह दीवानें उसे प्रभावित करने के लिए कुछ भी करने को हर पल तैयार रहते हैं। जिसके लिए पांच दीवाने उस लड़की की छोटी बहन की मदद करने में एक-दूसरे से होड़ लेते हैं। नाटक में एक किताब वाला है। जिसकी दुकान पर बैठकर दीवाने लड़की को ताकते रहते हैं। इस दौरान एक दीवाना उस किताब वाले से कहता है लड़की तुमको भी चोरी छिपे देखती है।

नाटक में बताने की कोशिश की गई है कि निम्न मध्यमवर्गीय की लड़की कथित प्रेम और आकर्षण से उपर उठकर एक नौकरी पेशा व्यक्ति के साथ जीवन संगनी बनने को प्राथमिकता देती है। सभी दीवाने मिलकर उस सीधी साधी लड़की को चतुर बना देते हैं। जिसके चलते नाटक के अंत में लड़की इन सब दीवानों को नकारकर किसी और से शादी कर लेती है। उसकी शादी के बाद पांचों दीवानों को जैसे सांप सूंघ जाता है। लड़की की शादी होते ही घर के सामने दीवानों की भीड़ सी लग जाती है। तभी वहां से पहुंचता हुआ राहगीर दूसरे से पूछता है कि क्या कोई मौत हो गई है? इसी बीच मोहल्ले का एक मसखरा कहता है एक नहीं चार-पांच मौतें हो गई हैं। आखिर में पांचों दीवानें कहते हैं दिल के टुकड़े-टुकड़े करके कहां चल दिए।

बालासोर रेल हादसे में मृतात्माओं को भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर (ए)। ओडिशा के बालेश्वर जिले में दर्दनाक रेल हादसा हुआ जिसमे सैकड़ो लोगो हताहत हुए। पूरा देश इस दर्दनाक दुर्घटना से स्तब्ध है भाजपा रायपुर शहर जिला ने वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल और अध्यक्ष जयंती पटेल की की अगुवाई में रायपुर के हृदय स्थल जयस्तंभ चौक पर दिप जलाकर माल्यार्पण किया और मृतात्माओ की शांति के लिए मौन धारण किया। मिली जानकारी के मुताबिक, बाहानगा स्टेशन के निकट शुक्रवार शाम करीब सात बजकर 20 मिनट पर हावड़ा-शालीमार एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 288 लोगों की मौत हो गई , बालासोर में रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म हो चुका है। हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ओडिशा पहुंचे।

जयस्तंभ चौक पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे वरिष्ठ विधायक पूर्व मंत्री ने कहा कि यह घटना बेहद पीड़ादायी और झकझोर देने वाली है सैकड़ो परिवारों में शोक पसरा हुआ है। निश्चित रूप से इस घटना की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों पर सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। हम सभी शोकसंतप्त परिवार को संबल और शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। हमारे साथ ओडिशा के पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समीर मोहंती भी उपस्थित है। जयस्तंभ चौक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष जयंती पटेल, जिला महामंत्री रमेश ठाकुर, प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, प्रदेश प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव, नलिनेश ठोकने, मोहन एंटी, जिला उपाध्यक्ष श्यामा चक्रवर्ती, अकबर अली, ललित जयसिंघ, राहुल राय, सोनू सलूजा, पुष्पेंद्र उपाध्याय, राजेश पाण्डेय, रिजवान पटवा, नवीन शर्मा ,विश्वदिनी पाण्डेय , संदीप जंघेल उमेश घोरमोड़े, सिमा संतोष साहू, मोना सेन, तोषण साहू, ओमप्रकाश साहू, अर्पित सूर्यवंशी, आकाश शर्मा सहित कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने दी कबीरदास जयंती की शुभकामनाएं

रायपुर। डॉ. चरणदास महंत ने प्रदेशवासियों को संत कबीर दास जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है। अपने संदेश में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि, सतगुरु कबीर दास की गणना विश्व के महान संतों में होती है। भारतीय संस्कृति के गहनतम ज्ञान को सरलतम शब्दों में अपने दोहे एवं साखियों के माध्यम से कबीरदास जी ने हमे समझाया द्य कबीरदास जी की साखी और दोहे हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालते हैं और हमें जीवन जीने का तरीका सिखाते हैं। कबीरदास जी की रचनाएं मानव मन को सीधे प्रभावित करती है। इन रचनाओं में व्यक्त होने वाली शुद्ध-हृदयता, सामाजिक समरसता तथा सबसे बढ़कर सात्विक जीवन शैली को अपनाने की प्रेरणा उन्हें आदर्श मानव जीवन के सफल निर्माता के रूप में स्थापित करती हैं। विस अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि कबीरदास जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं आवश्यकता इस बात की है कि हम उनके द्वारा स्थापित सामाजिक मूल्यों को मन, वचन और कर्म से आत्मसात् कर जन-कल्याण को ही जग-कल्याण समझें।

पहलवानों के समर्थन में उतरी यूथ कांग्रेस

रायपुर में रैली निकालकर किया प्रदर्शन

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में यूथ कांग्रेसियों ने दिल्ली में प्रदर्शन कर चुके पहलवानों के समर्थन में रैली निकालकर उन्हें समर्थन दिया है। प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में राजीव भवन से नारेबाजी करते हुए रैली निकाली गयी। शहर के शंकर नगर इलाके में बैनर-पोस्टर लेकर कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार का विरोध किया और बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार करने की मांग की। यूथ कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि बृजभूषण सिंह बीजेपी के सांसद हैं, इसलिए उन्हें बचाया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि जब महिला पहलवान मेडल लेकर पहुंची थी, तब पीएम मोदी ने वाहवाही लूटने का काम किया था, लेकिन अब यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण सिंह को केन्द्र सरकार बचा रही है। आकाश शर्मा ने कहा कि जब तक पीड़ित महिला पहलवानों को न्याय नहीं मिल जाता, यूथ कांग्रेस उनके समर्थन में लगातार प्रदर्शन करती रहेगी।

पहलवानों ने 9 जून तक का दिया अल्टीमेटम

रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफआंदोलन कर रहे पहलवानों के समर्थन में हरियाणा के कुरुक्षेत्र में खापों और किसान संगठनों की महापंचायत में केंद्र सरकार को 9 जून तक का अल्टीमेटम दिया गया है। अगर सरकार ने 9 जून तक बृजभूषण को गिरफ्तार न किया और पहलवानों पर दर्ज केस वापस नहीं लिए तो खाप नेता खुद पहलवानों को दोबारा धरने पर बैठाने जंतर-मंतर जाएंगे। इससे पहले बृजभूषण ने 5 जून को अयोध्या में होने वाली अपनी महारैली रद्द कर दी है।

महिलाएं अच्छी आमदनी अर्जित कर घरेलू कार्य में दे रही योगदान

कुर्रा गौठान बना महिलाओं की आय का अतिरिक्त जरिया

महिला समूह को वर्मी कंपोस्ट और अन्य उत्पादों से 15 लाख रुपए से अधिक की हुई कमाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के महत्वकांक्षी सुराजी गांव योजनांतर्गत कार्यक्रम के तहत तीन चरणों में गौठानों की स्थापना कर पशु संरक्षण केन्द्र, वर्मी कम्पोस्ट एवं आजीविका गुड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी कड़ी मे ग्राम कुर्रा मे स्थापित गौठान द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने हेतु सुनियोजित तरीके से आजीविका के साधन निर्मित किये गए।

गौठान निर्माण के तहत ग्राम कुर्रा में तीन एकड़ जमीन में पशुओं के लिये गौठान तीन एकड़ में चारागाह, पशुओं के लिये पेयजल, कोटना व्यवस्था, शेड की व्यवस्था की गई है। आस - पास में फेंसिग किया गया है जिससे जानवर किसानों के खेत में न जा सके तथा वर्मी टांका का निर्माण किया गया। गांव के पशुपालकों से गोबर खरीद कर महिला स्व-सहायता समूह के द्वारा वर्मी खाद का निर्माण प्रारंभ किया गया जिसे बंगोली सोसायटी के माध्यम से विक्रय किया जा रहा है।

कुर्रा गौठान कुल 10 एकड़ के क्षेत्रफल में फैला हुआ है जिसमें 3 एकड़ में पशुपालन, 4 एकड़ मंल दो बाड़ी और 3 एकड़ में चारागाह होता है। वर्मी कंपोस्ट केंचुआ खाद का उत्पादन कर स्व सहायता समूह की दीदियां अच्छी आय अर्जित कर रहीं हैं। जिसमे कुल 27 वर्मी कम्पोस्ट टांका, 5 नापेड टांका, 1 मुर्गी एवं बकरी शेड, 4 बोरबेल, 1 मछली तालाब, 2 सोलर पैनल भी लगाया गया है।

गौठान में कार्य कर रही गोवर्धन स्व सहायता समूह की महिलाएं इनसे अच्छी आय अर्जित कर रही है। समूह की अध्यक्ष देवकी नायक बताती है कि गौठान में सब्जियों से 50 हजार, मशरूम बेचकर 60 हजार, मुर्गी पालन से 30 हजार की आय समूह को हुई है। गौठान की सचिव राधिका वर्मा ने बताया कि वर्मी उत्पादन से समूह को अब तक 9 लाख रुपये से अधिक की कमाई हुई है। उन्होंने यह भी बताया की गौठान में सिंदूर का पेड़ भी लगाया गया है जिसके बीजों से होली में गुलाल भी बनाई गई जिससे लगभग 6 हजार की आय भी हुई।

शासकीय विभाग कृषि, पशु पालन, मत्स्य पालन, क्रीडा, जिला कौशल विकास प्राधिकरण मनरेगा एवं एन.आर.एल.एम. का गौठान को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गौठान में वर्मी विक्रय, सुपर कंपोस्ट खाद, मशरूम उत्पादन, मेंथा पौधा विक्रय, साबुन निर्माण, रागी उत्पादन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, मछली पालन, हल्दी उत्पादन, प्याज की खेती, जिमीकांदा उत्पादन, सब्जी उत्पादन, केचुआ उत्पादन, हर्बल गुलाल जैसी गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सनग्लासेस खरीदते समय क्या इन जरूरी बातों को जांचते हैं आप?

गर्मी के दिनों में कुछ चीजें बेहद जरूरी हो जाती हैं, जैसे बाहर निकलने से पहले टोपी, रुमाल या सनग्लासेस यानि धूप का चश्मा या फिर गॉगल्स कह लीजिए। जब आप सनग्लास खरीदने जाते हैं, तो क्या देखत हैं? उसके शीशों का रंग, आकार, फ्रेम आदि की बनावट? ये सारी बातें चश्मा पहनने वाले की छवि के लिहाज से तो ठीक है। लेकिन धूप के चश्मे का चयन करते समय इनके अलावा और भी बहुत-सी बातों पर ध्यान देना चाहिए। उनमें से मुख्य हैं- इनसे अल्ट्रावॉयलेट किरणों का आंखों पर कितना कम असर पड़ेगा आदि। जानिए ऐसी ही और भी बातें, जो धूप का चश्मा चुनते वक्त आपको जरूर पता होनी चाहिए-

क्या आप जानते हैं शीशों की क्वॉलिटी

जब भी कोई व्यक्ति चश्मे वाले की दुकान पर चश्मा खरीदने जाता है तो उसका 90 प्रतिशत समय धूप के चश्मे का ऐसा फ्रेम चुनने में निकल जाता है, जो उसके चेहरे पर सबसे ज्यादा अच्छा लगे। जैसे ही फ्रेम पसंद आया, ज्यादा कुछ देखे-भाले बिना शीशों की क्वॉलिटी जांचने में शायद ही कोई समय लगाता हो। ये शीशे किस चीज के और कैसे बनाए जाते हैं, आम लोगों को इसकी जानकारी बहुत कम होती है। क्या आपने चश्मे वाले से कभी यह पूछा है कि चश्मे के शीशे अल्ट्रावॉयलेट किरणों को कितना रोक सकते हैं? अगर नहीं, तो आगे से ये भी जरूर पता किजीएं।

जानिए धूप के चश्मों के शीशों के प्रकार

धूप के चश्मों के शीशे कई प्रकार के होते हैं, जैसे इंडेक्स प्लास्टिक्स, ग्रेडियेन्ट टिन्ट, फोटोक्रोमेटिक्स और पॉलीकार्बोनिट्स। इन्हें खरीदने से पहले इनके बारे में कुछ जानकारी अवश्य प्राप्त कर लेनी चाहिए। सबसे अच्छा तो यह है कि सड़क किनारे या पटरियों पर बिकने वाले चश्मे नहीं खरीदने चाहिए, क्योंकि उनके शीशे अच्छी किस्म के नहीं होते हैं और शीशे के पार सामने वाली छवि भी धुंधली नजर आती है। इन चश्मों के फ्रेम भी अक्सर ठीक से फिट नहीं होते हैं और आंखों के सामने ज्यादा समय तक जमीन के समानांतर नहीं रह पाते हैं। इसके कारण सिर में बार-बार दर्द होता है।

धूप के चश्मे किस चीज के बनते हैं?

सभी प्रकार के लैंसों में शीशे का लैंस सबसे ज्यादा सख्त और मजबूत होता है। चश्मा बनने में सबसे ज्यादा इसी चीज का इस्तेमाल किया जाता है। शीशे का सबसे बड़ा नुक्स इसका वजन है। जो लोग बड़े फ्रेम का चश्मा लगाना चाहते हैं, उन्हें यह शिकायत रहती है कि भारी शीशों की वजह से उनकी नाक के दोनों ओर दर्द होने लगता है।

फोटोक्रोमिक लैंस

फोटोक्रोमिक लैंस शीशे से अच्छे बनते हैं। जब आप इन्हें पहनकर चमकदार धूप में बाहर निकलते हैं तो इनका रंग गहरा हो जाता है और जैसे ही आप अंधियारे या छाया में आते हैं, ये सामान्य हो जाते हैं।

प्लास्टिक्स

प्लास्टिक्स लैंस शीशे से बने लैंसों से हल्के होते हैं इसीलिए आज की पीढ़ी इन्हीं को पसंद करती है। फिर भी शीशे के लैंस के मुकाबले प्लास्टिक के लैंस पर खरोंच जल्दी पड़ जाती है।

पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक

असल में ये लैंस परंपरागत प्लास्टिक लैंसों के मुकाबले ज्यादा हल्के और न टूटने वाले होते हैं। 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और जो लोग खेलों में भाग लेते हैं या किसी खतरनाक उद्योग में काम करते हैं, उनके लिए इन चश्मों की सिफारिश की जाती है।

पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक के क्या है नुक्स

इनमें एक ही नुक्स है कि प्लास्टिक्स के दूसरे लैंसों के मुकाबले इन लैंसों में खरोंच ज्यादा आसानी से पड़ जाती है। खरोंचों से बचाने का एक ही रास्ता है इन पर खरोंचों से बचाने वाले रसायन की परत चढ़ा दी जाए।

पॉलीकार्बोनेट लैंसों में रिफ्रेक्टिव इंडेक्स बहुत ऊंचा होता है अर्थात परंपरागत प्लास्टिक लैंसों के मुकाबले लैंस सूर्य की किरणों को ज्यादा मोड़ सकते हैं। इसलिए पॉलीकार्बोनेट से अधिक शक्तिशाली लैंस पतले बनाए जा सकते हैं।

गुस्सा भी कम जानलेवा नहीं, बिगाड़ देता है शरीर का संतुलन, इन बीमारियों को देता है हवा

आपने अपने बड़े-बूढ़ों को अक्सर यह कहते हुए सुना होगा कि गुस्सा कई बीमारियों की जड़ है. आज का युवा ये बात माने या न माने, लेकिन यह तो सच बात है कि हमारे बड़े-बूढ़े सेहत से जुड़ी कुछ बातें सही कहकर गए हैं. बीते कुछ सालों में डिप्रेशन, चिंता, तनाव, आक्रोष और गुस्सा जैसी स्थितियों ने काफी तेजी से अपने पांव पसारे हैं. खराब खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल ने इन परेशानियों में सिर्फ इजाफा करने का काम किया है. जब बात बीमारी के पैदा होने के कारणों की आती हैं, तो उस लिस्ट में एक नाम गुस्से का भी होता है. आपको यह जानकर हैरानी होगी कि गुस्सा भी कई भयंकर बीमारियों को जन्म दे सकता है.

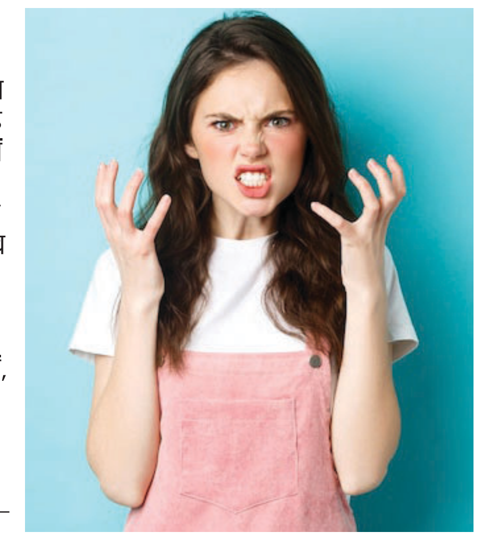

गुस्सा करने से पैदा होने वाली बीमारियां इतनी खतरनाक होती हैं कि इनकी वजह से इंसान मौत के मुंह में भी जा सकता है. आज हम आपको कुछ ऐसी ही बीमारियों के बारे में बताएंगे, जो ज्यादा गुस्से करने की वजह से भी पैदा हो सकती हैं.

ज्यादा गुस्सा करने से हो सकती हैं ये बीमारियां

हाई ब्लड प्रेशर: आपने कई बार लोगों को यह कहते सुना होगा कि गुस्सा मत करो वरना ब्लड प्रेशर बढ़ जाएगा. अधिकतर लोग इस वाक्य को एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हैं. मगर क्या आप जानते हैं कि ज्यादा गुस्सा करने से होने वाली दिक्कतों में हाई ब्लड प्रेशर का नाम सबसे ऊपर आता है. गुस्सा करते वक्त दिल का कामकाज बुरी तरह से प्रभावित होता है. ब्लड का सर्कुलेशन तेज हो जाता है. अगर आपने समय रहते अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं किया तो बीपी शूट कर सकता है.

हार्ट अटैक: जी हां, ज्यादा गुस्सा करने से होने वाले खतरों में हार्ट अटैक का भी नाम है. जब आप गुस्सा करते हैं तो आपके दिल पर दबाव पड़ता है. आपकी सांसे तेज हो जाती है. दिल की धड़कन की स्पीड बढ़ने लगती है. इसी के साथ बीपी भी बढ़ने लगता है. ज्यादा गुस्सा करने से हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ सकता है.

स्ट्रोक: ज्यादा गुस्सा करने की वजह से स्ट्रोक जैसी खतरनाक स्थिति का भी सामना आपको करना पड़ सकता है, जिसमें दिमाग में ब्लड का सर्कुलेशन अचानक बढ़ने लगता है. ब्रेन में ब्लड का सर्कुलेशन ज्यादा होने से नस के फटने का खतरा पैदा हो सकता है, जिसे ब्रेन हेमरेज कहा जाता है.

फेसपैक लगाते समय रखें इन बातों का ध्यान

चेहरे को कोमल और चमकदार बनाएं रखने के लिए आप अक्सर फेसपैक का इस्तेमाल करती हैं. फेसपैक चेहरे की त्वचा को स्वस्थ बनाएं रखने में मदद करता है. लेकिन फेसपैक लगाते समय कई बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है ताकि त्वचा को इससे कोई नुकसान न हो. तो चलिए जानते हैं, फेसपैक लगाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिससे आपके चेहरे की खूबसूरती बनी रहे.

फेसपैक लगाते समय रखें इन बातों का ध्यान

■ फेसपैक को सीधे ब्रश से लगाने की बजाय इसे मसाज करते हुए लगाएं. ऐसा करने से फेसपैक चेहरे की अंदरूनी सतह तक पहुंचकर काम करता है. 10 मिनट की मसाज देते हुए पैक को 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगा छोड़ दें. इसके बाद पानी से चेहरा साफ कर लें.

■ फेसपैक को बिल्कुल सूख जाने के बाद हटाने से बचें. इससे त्वचा रूखी हो जाती है और उसमें झुर्रियां जल्दी आती हैं. फेसपैक जैसे ही हल्का सूखने लगे, उसी वक्त चेहरे को गुनगुने पानी या फिर ताजे पानी से धो लें.

■ फेसपैक हमेशा नहाने के बाद लगाएं. अधिकतर लोग नहाने से पहले ही फेस पैक लगाते हैं लेकिन ऐसा करने से बचें. नहाने से पहले फेसपैक लगाने से चेहरे की नमी कम होने लगती है.

■ फेसपैक लगाने के बाद आंखें बंद करके थोड़ी देर रिलैक्स होकर बैठें. ऐसा करने से चेहरे की त्वचा को आराम पहुंचता है. फेसपैक लगाने के बाद बोलने से बचें क्योंकि इस तरह चेहरा सिकुड़ता है. सिकुड़न से आपके चेहरे की त्वचा ढीला होता है.

■ फेसपैक लगाने के बाद साफ चेहरे पर टोनर या गुलाबजल कौटन से अच्छी तरह लगाएं. इससे त्वचा में ग्लो आएगा.

कैसे बनाएं न्यू बोर्न बेबी का ग्रोथ चार्ट

नवजात के ग्रोथ चार्ट की इस सरल परिभाषा के अपने अलग माने हैं, जिस से यह भी पता चलता है कि नवजात की दूसरी बालसुलभ या उम्रजनित क्रियाएं भी स्वाभाविक और ठीकठाक हैं या नहीं. मसलन, पाचन, रंगों और वस्तुओं को पहचानना, उलटनापुलटना और प्रतिक्रियाएं देना इत्यादि.

इस में कोई शक नहीं कि अपने बच्चे को रोज बढ़ते देखने का अपना एक अलग सुख और आनंद है, जिसे सभी मांबाप ऐंजौय करते हैं. जिंदगी के इस अद्भुत सुख का सटीक वर्णन शायद ही कोई मांबाप कर पाए, क्योंकि जैसेजैसे बच्चा बड़ा होता जाता है वैसेवैसे वे गुजरे दिनों को भूलते जाते हैं.

इस में भी कोई शक नहीं कि नए दौर के मांबाप जागरूक हो रहे हैं और उन की अधिकतम कोशिश यह होती है कि वे नवजात की ग्रोथ के बारे में सबकुछ जानें. लेकिन दिक्कत अभी भी यह है कि ज्यादातर पेरैंट्स यह मानते हैं कि अगर बच्चा मोटा, गोलमटोल और वजनदार है तो इस का मतलब उस की ग्रोथ ठीक हो रही है और अगर बच्चा दुबलापतला हो तो वे चिंतित हो उठते हैं कि उस की ग्रोथ दूसरे बच्चों के मुकाबले कम हो रही है, जबकि ऐसा नहीं है. वर्ल्ड हैल्थ औगेंनाइजेशन यानी डब्ल्यूएचओ नवजातों की ग्रोथ को पर्सेंटाइल में दर्शाता है, जिस के माने अकसर भारतीय मांबाप को समझ नहीं आते. भोपाल के एक वरिष्ठ बालरोग चिकित्सक ए. एस. चावला की मानें तो डब्ल्यूएचओ के ग्रोथ चार्ट के अपने अलग माने हैं और उस का ग्रोथ चार्ट दुनियाभर के लगभग 100 देशों में प्रयोग किया जाता है जबकि भारत में अधिकांश बालरोग विशेषज्ञ अपने बनाए चार्ट का इस्तेमाल करते हैं.

चार्ट से समझें ग्रोथ

दरअसल हमारे देश में इस्तेमाल किया जाने वाला चार्ट देश के प्रमुख बड़े शहरों में संपन्न परिवारों के नवजातों के विकास स्वरूप पर अध्ययन के आधार पर तैयार किया जाता है. चूंकि इस ग्रोथ चार्ट के आंकड़ों में केवल भारतीय नवजातों पर किए गए अध्ययनों को ही शामिल किया जाता है, इसलिए अधिकतर विशेषज्ञ इसे ही इस्तेमाल करना पसंद करते हैं.

मगर इन को ले कर शक या भ्रम की जरूरत नहीं. डाक्टर ए. एस. चावला बताते हैं कि दोनों ही अपनी जगह ठीक हैं और उन में कोई खास फर्क नहीं है. उन के मुताबिक अगर नवजात की ग्रोथ चार्ट के मुताबिक हो रही हो तो अभिभावकों को चिंता नहीं करनी चाहिए. चिंता की बात इस स्थिति में भी नहीं जब चार्ट के मुताबिक बच्चे की ग्रोथ में थोड़ाबहुत या मामूली अंतर आ रहा हो. चिंता तब करनी चाहिए जब यह अंतर ज्यादा हो.

उदाहरण के लिए चार्ट के मुताबिक 10 महीने की उम्र की लड़की का वजन 8.8 किलोग्राम और लंबाई 71.6 सैंमी. होनी चाहिए. ऐसे में अगर बच्ची का वजन 7 किलोग्राम से कम और लंबाई भी 65 सैंमी. से कम है तो विशेषज्ञ डाक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

डब्ल्यूएचओ इस स्थिति को पर्सेंटाइल में दर्शाता है. मसलन उस के चार्ट के मानकों के मुताबिक आप के बच्चे का वजन 30वीं पर्सेंटाइल पर है तो उस का मतलब होता है कि आप के बच्चे की उम्र और लिंग के 29% बच्चों का वजन आप के बच्चे से कम है और 70% बच्चों का वजन उस से ज्यादा है.

बच्चों को रेनबो मैथड के मुताबिक खाना खिलाएं, मिलेगा पूरा पोषण

बच्चों के सही विकास के लिए उनका पोषण बेहद जरूरी है। बच्चों को खाना देने के साथ यह जानना जरूरी है कि इससे उन्हें पूरा पोषण मिल रहा है या नहीं। डॉक्टरों के मुताबिक, रेनबो मैथड इसका सबसे आसान तरीका है। केजीएमयू में न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. स्वाति दीक्षित ने बताया कि इसमें रंगों के मुताबिक खाने का समूह बनाया जाता है और इसके मुताबिक ही खाना दिया जाता है। इससे बच्चे को सभी पोषक तत्व मिलते हैं।

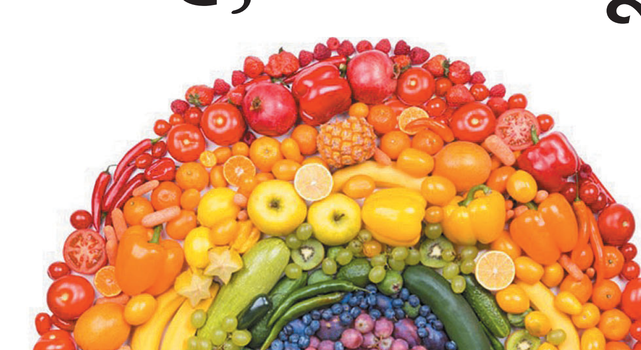

ऐसे अपनाएं रेनबो मैथड

सफेद, लाल, हरा, पीला और नीला या पर्पल रंग के खानों का एक समूह बना लें। हर दिन जितने रंग के खाने बच्चे को देंगे, उतना बेहतर होगा। कम से कम सप्ताह में दो से तीन बार हर रंग का खाना देना चाहिए।

रंग के हिसाब से तय करें खाना

सफेद

चावल आलू और दूध से बनी चीजें।

लाल

चुकंदर, गाजर, अनार और टमाटर जैसे खाद्य पदार्थ।

हरा

सभी हरी सब्जियां।

पीला

आम, कॉर्न, पपीता जैसे फल।

नीला

अंगूर, बैंगन, पत्ता गोभा, बैंगनी गोभी जैसी चीजें।

नॉनवेज

अगर नॉनवेज खाते हैं तो बच्चे को नॉनवेज और अंडा में सप्ताह में दो से तीन बार दें। यह प्रोटीन के लिए बेहतर है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

रानी सूर्यमुखी देवी स्मृति निःशुल्क कला शिविर कल से

राजनांदगांव। कला एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन और बच्चों के कलात्मक रूचि एवं रूझान पैदा करने के लिए विगत तीस वर्षो से नि:शुल्क कला शिविरों के माध्यम से हजारों बच्चों का कौशल उन्नयन करने वाली संस्था अपने स्थापना के चालीसवें पड़ाव पर है। चक्रधर कत्थक कल्याण केन्द्र के संस्थापक एवं पद्मविभूषण स्व. पं. बिरजू महराज जी एवं प्रो. स्व. कल्याणदास महन्ते की शिष्य डॉ. कृष्ण कुमार सिन्हा के संयोजन में विगत तीस वर्षो से निरंतर विविध कला शिविरों के माध्यम से बच्चों, महिलाओं एवं युवाओं को नि:शुल्क कला सिखने का अवसर दिया है। आज सैकड़ों बच्चें कला के उन्नयन व संवत करने का कार्य कर रहे है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 5 जून 2023 से 10 जून 2023 तक दस दिवसीय चलने वाले राजमाता रानी सूर्यमुखीदेवी जी के स्मृति में संस्कार नि:शुल्क कला शिविर सुबह आठ बजे से दस बजे तक प्रतिदिन प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण स्थल चक्रधर कत्थक कल्याण केन्द्र संगीत महाविद्यालय का नवीन परिसर वेदांग पब्लिक स्कूल ग्राम सांकर सोमनी में नि:शुल्क कला शिविर संचालित होगा। छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोक नृत्य में प्रशिक्षण एवं चित्रकला पेंटिंग इन दो कलाओं में नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। इच्छुक प्रशिक्षार्थी पंजीयन फार्म संस्था कार्यालय ग्राम सांकरा से कार्यालय अवधि में संपर्क कर पंजीयन फार्म प्राप्त कर सकते हैं। विशेष जानकारी हेतु फोन नम्बर 8349413121 में संपर्क कर सकते हैं। उपरोक्त जानकारी संस्था के तुषार कुमार सिन्हा ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

ठेमा एवं कोकपुर में किया गया जनचौपाल का आयोजन, मिले 327 आवेदन

कांकेर। आम जनता की समस्या, शिकायतों के निराकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा क्लस्टरवार जनचौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जिले के वनांचल क्षेत्र के नरहरपुर विकासखण्ड अंतर्गत पहाड़ी मे बसे गांव ठेमा और कांकेर विकासखण्ड के ग्राम कोकपुर में जनचौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें 327 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों में से 36 आवेदनों का निराकरण मौके पर किया गया, शेष आवेदनों के निराकरण हेतु समय-सीमा निर्धारित की गई है। जनचौपाल में संसदीय सचिव श्री शिशुपाल शोरी, जिले के कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला और जिला पंचायत सीईओ सुमीत अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम ठेमा में आयोजित जनचौपाल में 151 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 26 आवेदन मौके पर ही निराकृत किया गया तथा शेष आवेदनों के निराकरण के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। कांकेर विकासखण्ड के ग्राम कोकपुर में आयोजित जनचौपाल में 176 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 10 अवेदन मौके पर ही निराकृत किया गया, शेष आवेदनों के निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। जनचौपाल में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक, पाम्पलेट, ब्रोसर इत्यादि का वितरण किया गया तथा विभागीय अधिकारियों द्वारा शासन द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी गई एवं योजनाओं से लाभ उठानें का अपील किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर नि:शुल्क दवाईया दी गई।

निर्जला एकादशी पर देर रात तक श्याम भजन में लीन रहे भक्त, निकाली गई भव्य शोभायात्रा

कोरबा। नगर की धार्मिक संस्था श्याम मित्र मण्डल द्वारा 31 मई बुधवार को निर्जला एकादशी के अवसर पर श्याम एकादशी संकीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें देर रात तक श्याम भक्त भजनों का आनंद लेते रहे। इसके पूर्व सुबह पुराना बस स्टैण्ड से श्याम मंदिर तक भव्य निशान यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे भी शामिल हुए। इसके अलावा श्री श्याम रसोई का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के प्रायोजक श्याम भक्त सतीश छापरिया थे। श्याम मित्र मण्डल के अध्यक्ष रोहिणी सुल्तानिया ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मिशन रोड स्थित खाटू वाले श्री श्याम बाबा के मंदिर में निर्जला ग्यारस के शुभ अवसर पर श्री श्याम संकीर्तन सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्याम भक्त शामिल हुए। ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी पर सर्वप्रथम सुबह पुराना बस स्टैण्ड स्थित अनंत इमेजिंग सोसायटी से श्री श्याम बाबा की भव्य निशान यात्रा प्रारंभ हुई, जो मुख्य मार्ग का भ्रमण करते हुए श्याम मंदिर में पहुंची। यहां बाबा श्री श्याम की आरती की गई और भक्तों ने निशान श्याम बाबा को अर्पण किया। इस अवसर पर सुबह से ही बाबा की अखण्ड ज्योत जलाई गई और छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया। इस दौरान दिल्ली से आए विशेष फूलो से बाबा श्याम का ऐसा आकर्षक श्रृंगार किया गया।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष एवं कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल नहीं, मानव सेवा के लिए समर्पित मंदिर है : परवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल एवं कैट सी.जी.चेप्टर के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष परमानंद जैन, वासु माखीजा ने बताया कि आज दिनांक 03.06.2023 को नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल में आयोजित कार्यक्रम में चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उनके साथ चेंबर प्रतिनिधि टीम ने भी अपनी उपस्थिति दी।

चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित, स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में समर्पित श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुआ जो मेरे लिए अत्यंत हर्ष की बात है। मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि मुझे सत्य साई बाबा का निरंतर आशीर्वाद मिला है। सत्य साई बाबा ने अध्यात्मवाद को कर्मकांडों से मुक्त किया और इसे लोगों के कल्याण से जोड़ा है।

श्री पारवानी जी ने आगे कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं मानव जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। इस बदलती जीवनशैली और प्रदूषण के कारण लोगों को अस्पतालों एवं चिकित्सीय सेवाओं की अत्यंत जरूरत है। चिकित्सा संस्थान जो बीमारियों से बचाने के लिए निवारक उपाय करने में हमारी मदद कर सकते हैं, आज के परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण हैं जिसे श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल पूर्ण रूप से इसे निभाती आ रही है। यह सिर्फएक अस्पताल नहीं है अपितु यह मानव जाति की सेवा के लिए समर्पित एक मंदिर की तरह है।

श्री पारवानी जी ने श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह संस्था 2011 में बनना शुरू हुआ जो 9 महीने में बनकर तैयार हुआ तथा 2012 से अस्पताल में आपरेशन होना शुरू हो गया। पिछले 10 वर्षों में लगभग 25000 से ज्यादा हृदय रोग से पीड़ित जन्मजात बच्चों का नि:शुल्क सफ्लतापूर्वक ओपरेशन किया जा चुका है जो स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि है। साथ ही 100 से अधिक ओपीडी केस प्रतिदिन अस्पताल में आते हैं। अस्पताल में जच्चा-बच्चा केंद्र भी है जहाँ प्रसुताओं का उचित रूप से ख्याल रखा जाता है, अच्छा इलाज मुहैय्या कराया जाता है, सामान्य एवं सिजेरियन डिलीवरी भी कराई जाती है। मरीज के साथ आए उनके दो अटेंडेंट के लिए भी रखने खाने की सुविधा दी गई है जो पूर्णत: नि:शुल्क है । श्री पारवानी जी अपने उद्बोधन में आगे कहा कि बच्चे ईश्वर का रूप होते हैं जिन्हें देखते ही हमारे चेहरों पर एक भीनी सी मुस्कान आ जाती है। इसलिए उन बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना हमारा कर्तव्य है। श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल इस कथन को चरितार्थ करती है। सत्य साईं संजीवनी अस्पताल की प्रशंसा करते हुए, श्री पारवानी जी ने कहा कि संगठन लोगों की सेवा करने पर केंद्रित है और देश भर में अपनी विभिन्न शाखाओं में हजारों बच्चों की मुफ्त हृदय शल्य चिकित्सा की है। सत्य साईं संजीवनी अस्पताल से बच्चों और स्थानीय निवासी प्रमुख रूप से लाभान्वित हो रहे हैं साथ ही अब तक 17 देशों से मरीज यहाँ आकर उन्होंने स्वास्थ्य लाभ लिया है और अपने देश में स्वस्थ रूप से जीवन-यापन कर रहे हैं।

श्री पारवानी जी ने संगठन का आभार व्यक्त किया और अपने उद्बोधन को समाप्त करते हुए कहा, मुझे पूरा यकीन है कि श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल भविष्य में भी प्रदेश की जनता को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा और दिल की सर्जरी करेगा।

प्रभारी मंत्री लखमा ने नवनिर्मित गौठान का उद्घाटन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। प्रभारी मंत्री कवासी लखमा ने शनिवार को ग्राम तीरथा में नवनिर्मित गौठान का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने मंत्री व अन्य अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की चार चिन्हारी नरवा, गरवा, धुरवा, बाड़ी है। छत्तीसगढ़ में स्थापित किए गए गौठान समय के साथ स्वावलंबी हो रहे हैं और ये स्थान रोजगार के केंद्रों में भी बदल रहे हैं। राज्य में पशुपालकों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजना के तहत पशुपालकों और ग्रामीणों से गौठानों में दो रूपये किलो की दर से गोबर की खरीदी की जा रही है। क्रय गोबर से महिला स्व-सहायता समूह वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट तैयार करने के साथ ही दीया, गमला, अगरबत्ती, गुलाल सहित अन्य सामग्री तैयार कर रही है। गोबर से प्राकृतिक पेंट एवं पुट्टी उत्पादन का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में मंत्री व विधायक चारा का पैसा खा जाते थे।

गौशाला में पहले पैसे कभी समय पर नहीं मिल पाते थे किन्तु आज हमारी सरकार गौठान में समय पर पैसा के साथ ही रोजगार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने 24 लाभान्वित परिवार को वन अधिकार पट्टा वितरित किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड अध्यक्ष चंदन कश्यप, इंद्रावती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, यशवर्धन राव, शालिक बघेल, निलय कश्यप, श्याम दीवान, धनुर्जय नेताम, महेंद्र पांडे, नरेंद्र पांडे, नवलकिशोर, जोगी, सोमारू कश्यप, लक्ष्मण दीवान, श्याम कुमारी ध्रुव, देवेंद्र कोर्राम, सत्यकांत कश्यप, खगेश्वर चौबे, धर्मा पाढ़ी, सोंधर दीवान, गोपाल, शंकर दास समेत नेता, कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित थे।

ईडी के द्वारा छत्तीसगढ़, झारखंड के मुख्यमंत्रियों के नाम लेने का दबाव का आरोप बेहद गंभीर - कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री और सरकार की छवि खराब करने ईडी कर रही षडयंत्र। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ईडी द्वारा गिरफ्तार व्यवसायी अनवर ढेबर के बाद ईडी द्वारा गिरफ्तार किये गये अधिकारी एपी त्रिपाठी ने भी अदालत से कहा कि ईडी छत्तीसगढ़ और झारखंड के मुख्यमंत्री तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के बेटे का नाम का नाम लेने के लिये दबाव बना रही है। एक अन्य आरोपी पप्पू ढिल्लन ने भी अदालत में आवेदन देकर इसी प्रकार की बात कही है कि ईडी मुझ पर मुख्यमंत्री के बेटे का नाम लेने दबाव बना रही है।

ईडी पर लगे यह आरोप बेहद ही गंभीर है। इन आरोपियों के द्वारा अदालत में किया गया खुलासा इस बात का प्रणाम है कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी सरकार को बदनाम करने परेशान करने की नीयत से ईडी को भेजकर गलत छापेमारी की कार्यवाही करवाई गयी है।

छत्तीसगढ़ में ईडी की कार्यवाही शुरू से संदिग्ध रही है पहले भी अनेक व्यपारियों, अधिकारियों ने ईडी पर प्रताड़ना और जबरिया हस्ताक्षर का आरोप लगाया है तथा ईडी की कार्यप्रणाली से यह आरोप लगते रहा है कि ईडी भाजपा के राजनैतिक उद्देश्यो को पूरा करने के लिये ईडी का दुरूपयोग कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों के खुलासे प्रजातंत्र के लिये घातक है। सुप्रीम कोर्ट को इस पर संज्ञान लेना चाहिये। प्रधानमंत्री मोदी ईडी पर लगे आरोपों का सार्वजनिक जवाब दें। चार साल में कांग्रेस सरकार के ऊपर 4 रु. का भी प्रमाणिक भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा पाने वाली भाजपा राज्य सरकार की छवि खराब करने कांग्रेस पदाधिकारियों, अधिकारियों, व्यापारियों को टारगेट कर रही है। ईडी की सारी कार्यवाही कांग्रेस शासित राज्य में ही क्या, भाजपा शासित राज्यों में ईडी, आईटी पंगु क्यों हो जाते हैं?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा राज्य में कांग्रेस सरकार का राजनैतिक रूप से मुकाबला नही कर पा रही है तो वह केंद्रीय जांच एजेंसियों के माध्यम से राज्य की राजनीति, औद्योगिक और व्यापारिक माहौल को खराब करने का षड्यंत्र कर रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रति एकड़ धान खरीदी की सीमा 20 क्विंटल किये जाने और युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिए जाने के निर्णय से भाजपा बौखला गयी है।

आयुष्मान कार्ड पंजीयन के लिए 12 को एक दिवसीय महाअभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिले के शत-प्रतिशत लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयुष्मान कार्ड पंजीयन के लिए सोमवार 12 जून 2023 को एक दिवसीय महाअभियान चलाया जाएगा। स्वास्थ्य, राजस्व और पंचायत विभाग के समन्वय और संयुक्त प्रयासों से जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य व्यापक स्तर पर महाअभियान के रूप में किया जाएगा। जिले में त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2023 के अंतर्गत संबंधित निर्वाचित क्षेत्रों को छोड़कर सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में आयुष्मान महाअभियान के तहत शिविर लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए लाभार्थी को अपना आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, राशन कार्ड रखना होगा। एक दिवसीय महाअभियान के तहत सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक ग्रामवार एवं वार्डवार शिविर का आयोजन कर आयुष्मान कार्ड पंजीयन किया जाएगा। कलेक्टर जयवर्धन ने स्वास्थ्य सुविधाओं के दृष्टिगत त्रिस्तरीय पंचायत संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों तथा नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधियों एवं सभी नागरिकों से आयुष्मान कार्ड बनवाने के महाअभियान में बढ़चढ़कर हिस्सा लेकर इस कार्य को सफ्ल बनाने की अपील की है।

कलेक्टर एस जयवर्धन ने एक दिवसीय महाअभियान के सफ्ल क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने कहा है। शिविर लगाने के लिए ग्राम पंचायत वार, ग्रामवार, वार्डवार, व्हीएलई वार स्थल चयन करने के निर्देश दिए।

कोटवार, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानीन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं को पूर्व में बने आयुष्मान कार्ड पंजीयन एवं शेष परिवारों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिससे वे छूटे हुए आयुष्मान व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें लक्षित कर उनका कार्ड बना सके। साथ ही उन्हें प्रशिक्षित तथा व्हीएलई की आईडी जनरेट करने के निर्देश दिए।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत जिले में कुल 2 लाख 16 हजार 26 पात्र हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड हेतु पंजीयन किया गया है। जो निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध मात्र 74.15 प्रतिशत है। जिले में हितग्राहियों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड पंजीयन के लिए सोमवार 12 जून 2023 को एक दिवसीय महाअभियान चलाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा प्रत्येक नागरिक तक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ किया गया था। आयुष्मान के माध्यम से लाभार्थियों को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है। आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र नागरिकों को पंजीयन करवाना होता है। जिसके पश्चात उनको आयुष्मान कार्ड प्रदान किया जाता है। इस कार्ड को अस्पताल में दिखा कर लाभार्थी 5 लाख रूपए तक का मुफ्त उपचार की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

ओडिशा के बालेश्वर में हुई रेल दुर्घटना में रेल मंत्रालय की घोर लापरवाही दिख रही है -मोहन मरकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने उड़ीसा के बालेश्वर जिले में शुक्रवार को हुई रेल दुर्घटना बेहद दुखद है इस हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि ओडिशा के बालेश्वर में हुई रेल दुर्घटना रेल मंत्रालय की घोर लापरवाही दिख रही है।

एक ही ट्रैक में दो ट्रेनों के आने के चलते गंभीर रेल हादसा हुआ है और हादसा के 1 घंटे बाद तीसरी ट्रेन का उसी स्थान पर आना और, एक और दुर्घटना होना रेल मंत्रालय की घोर लापरवाही को दिखता है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को रेल मंत्रालय के द्वारा बरती गई लापरवाही गैर जिम्मेदाराना रवैया की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पूरे हादसे की बारीकी से जांच होनी चाहिए और जितने भी लोग इस घटना के लिए दोषी है उन सब पर भी कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछे जो रेल के लिए कवच बनाया गया था जिसमें दावा किया गया था कि 2 ट्रेनें अगर आमने सामने होगी तो कवच उसकी सुरक्षा करेगी वह कवच कहां है? क्या आम जनता को भरमाने के लिए ही इस प्रकार से दावा किया गया जिन ट्रेनों में हादसा हुई क्या उन ट्रेनों में कवच नहीं लगाया गया था? हादसा के 1 घंटे बाद आखिर तीसरी ट्रेन वहां पहुंची कैसे जो दुर्घटना का शिकार हो गई? नरेंद्र मोदी देश की जनता को जवाब देना चाहिए इस रेल हादसे में 300 से अधिक लोगों की जानें गई है, 1000 से अधिक लोग घायल हुए हैं, राष्ट्र की संपत्ति को नुकसान अलग हुआ इसकी नैतिक जिम्मेदारी भी नरेंद्र मोदी की है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आजादी के बाद से देश की जनता की सेवा कर रहे भारतीय रेलवे को मोदी सरकार ने 9 साल में बर्बाद कर दिया। मोदी सरकार की निजीकरण की चाहत ने रेल को पटरी से उतार दिया है। भारतीय रेलवे की पहली घटना है कि घटना के बाद पुन: उसी स्थान पर दूसरी घटना हो जाती है और यह सब रेल मंत्रालय की लापरवाही से चलते हुआ है मोदी सरकार में रेल मंत्रालय निरंकुश हो गया है।

नाम परिवर्तन

मैं आयुष कुमार परगनिहा (AYUSH KUMAR PARGANIHA) पिता चन्द्र भान परगनिहा (CHANDRA BHAN PARGANIHA) उम्र 19 वर्ष पता न्यू पदुम नगर भिलाई-3, तहसील भिलाई-3 जिला दुर्ग (छग) का निवासी हूं। यह है कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेज में मेरे पिता का नाम भूलवश चन्द्रभान (CHANDRABHAN) दर्ज हो गया है। जिसमें उपनाम का उल्लेख नहीं है। जबकि मेरे पिता का वास्तविक एवं पूरा नाम चन्द्र भान परगनिहा (CHANDRA BHAN PARGANIHA) है। चन्द्रभान (CHANDRABHAN) और चन्द्र भान परगनिहा (CHANDRA BHAN PARGANIHA) एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे पिता का ही नाम है। अत: मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेज एवं पासपोर्ट में मेरे पिता का वास्तविक व पूरा नाम चन्द्र भान परगनिहा (CHANDRA BHAN PARGANIHA) दर्ज किया जाए।

शपथकर्ता
आयुष कुमार परगनिहा
(AYUSH KUMAR PARGANIHA)

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

चाकू की नोंक पर फल व्यवसायी को लूटा, 3 गिरफ्तार, 1 फरार

रायपुर (ए)। चाकू की नोक पर फल व्यवसायी को लूटने वाले 3 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। वहीं एक आरोपी फरार है। आरोपियों ने 2 मई को डीआरएम ऑफिस के सामने फलों की दुकान लगाने वाले शिवम सोनकर को चाकू दिखाकर उसके पास रखे 10 हजार रूपए लूटकर फरार हो गए थे। पीड़ित की शिकायत के बाद चारों आरोपियों के विरूद्ध थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 481/23 धारा 394 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी खमतराई के नेतृत्व में थाना खमतराई पुलिस द्वारा घटना तथा आरोपियों के संबंध में प्रार्थी सहित आस-पास के लोगों से विस्तृत पूछताछ करते हुए घटना में संलिप्त आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में संलिप्त आरोपियों के छिपने के हर संभावित ठिकानों छापेमारी करते हुए घटना में संलिप्त आरोपी के.वासूराव, विक्की सिक्का एवं तीरथ उर्फ कोहरू नायक को पकड़कर कड़ाई से पूछताछ की तो उनके द्वारा अपने अन्य साथी लालू उर्फअनिकेत के साथ मिलकर लूट की उक्त घटना को कारित करना स्वीकार किया गया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट की नगदी रकम 2,920/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। घटना में संलिप्त आरोपी लालू उर्फ अनिकेत फरार है जिसकी पतासाजी जारी है।

जौहरी को झांसे में लेकर पार की अंगूठी, 4 ठग दिल्ली से गिरफ्तार

रायपुर (ए)। अलग-अलग भेष में लोगों को ठगने वाले 4 अंतर्राज्यीय ठग गिरफ्तार हुए हैं। आरोपियों ने एक जौहरी को अपने झांसे में लेकर उसकी अंगूठी पार पर दी थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। मामला कोतवाली थाना का है। दरअसल 30 मई को कुछ साधू बूढ़ापारा स्थित वर्मा कॉम्प्लेक्स शॉप नं. 02 में राजश्री ज्वेलर्स पहुंचे। उन्होंने दुकान संचालक उमेश माथुर से दान-दक्षिणा मांगी। उमेश ने उन्हें कुछ पैसे दिए। इसके बाद भविष्य बताने के बहाने नाम पर वे उमेश को अपनी बातो में उलझाकर उसकी ऊंगली में पहनी सोने की अंगूठी मांगी और कहा की वे इसे और शक्तिशाली बना देंगे। उनकी बातों में आकर उमेश ने अपनी अंगूठी साधू को दे दी और साधु ने अंगूठी को अपने मुंह में डाल लिया और फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 267/23 धारा 420, 34 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्राथी से विस्तृत पूछताछ करते हुए आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर प्रकरण में संलिप्त अज्ञात आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करते हुये आरोपियों द्वारा फरार होने हेतु जिन मार्गो का उपयोग किया गया था, उन मार्गो के कैमरों की फुटेजों का लगातार अवलोकन कर उन्हें फॉलो किया जा रहा था।

मोहारा एनीकट खोलने वालों के खिलाफ जल संसाधन विभाग ने कराई एफआईआर, टाइमकीपर व निगम के वॉचमैन को शो-कॉज

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जल संसाधन विभाग ने बीते 31 मई को राजनांदगांव जिले के मोहारा एनीकट के पांच गेट खोले जाने की घटना पर बसंतपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जल संसाधन संभाग के टाइमकीपर एवं नगर निगम के वॉचमैन को शो-कॉज नोटिस भी जारी किया गया है। मोहारा एनीकट में अभी 74 प्रतिशत जल भराव है जो राजनांदगांव शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए पर्याप्त है।

जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव के कार्यपालन अभियंता ने घटना की जांच प्रतिवेदन में बताया है कि विगत 31 मई को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मोहारा एनीकट के पांच गेट खोल दिए गए थे। गेट खोले जाने के पूर्व मोहारा एनीकट में 1.26 मिलियन घनमीटर जल का भराव था। अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गेट खोले जाने पर लगभग 4-5 घण्टा गेट से पानी बह गया जिससे एनीकट में लगभग 15 सेंटीमीटर पानी का स्तर कम हो गया एवं लगभग 90 हजार क्यूबिक मीटर पानी बह गया। जल संसाधन विभाग को गेट खोले जाने की सूचना मिलते ही तत्काल गेट को बंद करा दिया गया था।

कार्यपालन अभियंता ने जांच प्रतिवेदन में बताया है कि एनीकट के गेट की एक चाबी जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव के संबंधित कर्मचारी टाइमकीपर एवं एक चाबी राजनांदगांव नगर निगम के कर्मचारी वॉचमैन के पास रहती है। इन दोनों को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी द्वारा घटना के संबंध में थाना प्रभारी बसंतपुर, राजनांदगांव को एफआईआर (प्रारंभिक सूचना रिपोर्ट) दर्ज कराया गया है। वर्तमान में मोहारा एनीकट में 74 प्रतिशत जल भराव है। इससे राजनांदगांव शहर के पेयजल आपूर्ति में कोई कमी नहीं होगी।

राजनांदगांव नगर निगम के आयुक्त से भी इस संबंध में प्रतिवेदन प्राप्त किया गया है। आयुक्त के प्रतिवेदन के अनुसार मोहारा प्लांट इंचार्ज एवं शिफ्ट इंचार्ज से घटना का स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही नगर पुलिस अधीक्षक, राजनांदगांव को रात्रिकालीन पुलिस पेट्रोलिंग कराने के संबंध में पत्र प्रेषित किया गया है। एनीकट में रात्रिकालीन निगरानी के लिए तीन पालियों में दो-दो कर्मचारियों की डयूटी लगाई गई है। एनीकट के आसपास अंधेरा होने के कारण 250 वॉट का लाइट लगाया गया है। अधिकारियों व कर्मचारियों को सतत निरीक्षण के लिए निर्देशित भी किया गया है।

पति-पत्नी पर हमला कर नाबालिग का अपरहण करने वाला सनकी युवक गिरफ्तार

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर घर पर सो रहे पति पत्नी पर हमला कर नाबालिग को अगुवा करने वाला सनकी युवक पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। युवक को पुलिस ने केशकाल से गिरफ्तार कर लिया है। घटना 2 जून की रात की है जब युवक ने दंपति पर हमला किया था और नाबालिग का अपहरण कर लिया था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कांकेर पुलिस के अनुसार सनकी युवक अजय मरकाम ने एक तरफा प्रेम प्रसंग के चलते 2 जून की रात में घर में सो रहे नाबालिक युवती के माता- पिता पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया था। जिसमें नाबालिक के पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस ने सनकी युवक अजय मरकाम को शनिवार की रात को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने घटना को अंजाम देने के बाद नाबालिक को अपने साथ केशकाल पहाड़ी में बांधकर रखा था। किसी तरह आरोपी के चुंगल से जान बचाकर भागी नाबालिक दुधावा थाना पहुंची और सारी बता बताई। नाबालिक का बयान लेने के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर सनकी युवक अजय मरकाम को गिरफ्तार किया।

पहले भी नाबालिग का कर चुका था अपहरण

पुलिस पूछताछ में ग्रामीणों ने बताया कि 3 मई को सनकी युवक ने नाबालिक को हसिया दिखाते हुए अपने साथ ले गया था। एक तरफा प्यार में पागल युवक नाबालिग से शादी करना चाहता था। दूसरे दिन 4 मई को जब ग्रामीण जंगल में लकड़ी बीनने गए तो लड़की को युवक के चंगुल से छुड़ाकर परिवार के हवाले किया गया। इसके बाद थाने में शिकायत के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। 19 मई को उसे जमानत मिली थी और उसके बाद 2 जून की रात को उसने प्रताप शोरी और उसकी पत्नी ममता शोरी पर जानलेवा हमला कर दिया।

NHAI का कर्मी बताकर रायपुर की युवती से 8 लाख की ठगी

जीवन साथी डॉट कॉम के जरिए मिले और किया था शादी का वादा

रायपुर। राजधानी रायपुर की एक युवती से जीवन साथी डॉट कॉम के जरिए परिचय होने के बाद नागपुर के युवक ने 8 लाख रुपए की ठगी कर ली। युवक ने युवती से शादी का वादा किया और खुद को NHAI नागपुर डिवीजन का कर्मचारी बताया। इसके बाद अलग अलग बहानों से युवती से 8 लाख रुपए ले लिए। इसके बाद शादी करने से इनकार कर दिया। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने नागपुर से ठग को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित युवती ने तेलीबांधा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि नागपुर के भीलगांव का रहने वाला परम सवालाखे से उसकी पहचान जीवनसाथी डॉट कॉम के माध्यम से हुई थी। अच्छे रिश्ते की तलाश में युवती चने प्रोफाइल चेक किया और फिर परिचय हुआ। परम ने खुद को NHAI नागपुर डिवीजन का कर्मचारी बताया। दोनों के बीच शादी को लेकर बातचीत शुरू हो गई। इस दौरान परम सवालखे रायपुर युवती से मिलने पहुंचा।

22 मई को वह रायपुर पहुंचा और बातों ही बातों में युवती से पांच हजार रुपए ले लिए। इसके बाद 20 हजार रुपए ले लिए। परम ने युवती को पूरी तरह से झांसे में लेकर अपने पिता के इलाज व उनकी मौत का बहाना करते हुए रुपए वसूले। परम ने युवती से मिलने के बाद अलग अलग बहाने से 8 लाख वसूले। युवती ने जब पैसे वापस मांगे तो टाल मटोल करने लगा और फोन भी बंद कर दिया। इसके बाद युवती ने तेलीबांधा थाने में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

पहले से शादीशुदा था शातिर

शिकायत के बाद तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए एक टीम बनाई और नागपुर रवाना किया। नागपुर पहुंची टीम ने घेराबंदी कर आरोपी परम सवालाखे को गिरफ्तार किया। पुलिस जब नागपुर पहुंची तो पता चला कि आरोपी युवक पहले से शादीशुदा है और जीवन साथी डॉट कॉम में अपना प्रोफाइल डाल रखा है ताकि वह इसी तरह से झांसे में लेकर ठगी कर सके। फिलहाल तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

नक्सली और सुरक्षाबल संग मुठभेड़ तीन-चार नक्सलियों को गोली लगने का दावा, सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबल के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में तीन से चार नक्सलियों के घायल होने का दावा सुरक्षाबल के जवानों ने किया है। इस मुठभेड़ की पुष्टि जिला पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने की है।

मामले की जानकारी देते हुए जिला पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि जिले के एर्राबोर थाना क्षेत्र के मरईगुड़ा-रेगडगट्टा इलाके में कोंटा एरिया कमेटी के कमांडर मंगडू, वेट्टी भीमा और अन्य नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना मुखबिर से मिली थी।

सूचना पर नक्सलियों के खिलाफएक ऑपरेशन लॉन्च किया गया। हर जिले के डीआरजी टीम को ऑपरेशन के लिए चिन्हित इलाके में रवाना किया गया। जंगल के इलाके में सर्चिंग करते हुए जैसे ही जवान रेगड़गट्टा गांव के समीप पहुंचे, वैसे ही घात लगाए

नक्सलियों ने सुरक्षाबल के जवानों को अपनी ओर आता देख उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

आनन-फानन में मोर्चा संभालते हुए डीआरजी के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। जवाबी कार्रवाई में जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली पीछे हटे और भाग खड़े हुए। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बल के जवानों ने तीन चार नक्सलियों को गोली लगने का दावा किया है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर खून के धब्बे ही दिखाई दिए हैं। फिलहाल मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बल के जवान इलाके में गहन सर्चिंग अभियान चला रहे हैं। सर्चिंग के बाद ही और जवानों की पार्टी वापस लौटने से पूरी जानकारी देने के बाद सुकमा पुलिस अधीक्षक ने कही है।

इंस्टाग्राम में धर्म विशेष के खिलाफ पोस्ट करना युवक को पड़ा भारी, शिकायत पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में धर्म विशेष के खिलाफ इंस्टाग्राम पर पोस्ट करना युवक को भारी पड़ गया। समाज के प्रतिनिधियों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जिले के कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम सुरजपुरा कला का है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 295 और एसटी-एससी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पीड़ित घनश्याम अनंत पिता बसावन अंनत (38) निवासी ग्राम सुरजपुरा कला के आवेदन पर थाना पहुंचे लोगों ने बताया कि दुर्गेश साहू (19) ने इंस्टाग्राम पर उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। पंचायत के सरपंच व सतनामी समाज के लोगो ने कुंडा थाना पहुंचकर दुर्गेश साहू की गिरफ्तारी की मांग की। समाज के लोगों की शिकायत के बाद पुलिस ने दुर्गेश साहू को गिरफ्तार कर लिया है।

नागपुर से पकड़ाया बलात्कार का आरोपी, शादी का झांसा देकर एक साल तक करता रहा युवती से दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मोहन नगर पुलिस ने दुष्कर्म के फरार आरोपी को नागपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दुर्ग की युवती से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया था। यही नहीं आरोपी ने युवती से अप्राकृतिक सैक्स भी किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीडिता की शिकायत के बाद मोहन नगर पुलिस एक्शन में आई। इस दौरान पुलिस को आरोपी का लोकेशन नागपुर का मिला। मोहन नगर पुलिस की एक टीम नागपुर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया।

मोहन नगर थाना प्रभारी विपिन रंगारी ने बताया कि 8 मई को पीड़िता ने थाने पहुंचकर लिखित शिकायत प्रस्तुत किया।

शिकायत में उसने बताया कि ए- 24 बलराम नगर भिंड रोड, थाना गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश निवासी मनीष शर्मा से उसका परिचय हुआ था। मनीष शर्मा ने पीड़िता को शादी का झांसा दिया और उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद यह सिलसिला चलता रहा। इस बीच आरोपी ने अप्राकृतिक यौन संबंध भी बनाया है व जान से मारने की धमकी भी दी।

इस मामले में पीड़िता की शिकायत के बाद मनीष शर्मा के खिलाफ 376(2)(N),377,506 के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने इसके लिए एक टीम बनाई और आरोपी की पता साजी की जा रही थी। आरोपी लगातार फरार था। इस बीच आरोपी मनीष शर्मा की लोकेशन नागपुर में मिला। मोहन पुलिस ने आरोपी को नागपुर से गिरफ्तार कर दुर्ग लेकर पहुंची। दुर्ग में उसे विधिवत न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। इस पूरी कार्रवाई एसआई उमा ठाकुर, प्रधान आरक्षक मनीष कुमार, नवीन यादव की सराहनीय भूमिका रहीं ।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

भिलाई इस्पात संयंत्र में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा (05 जून) विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित करने सम्बंधित, सभी कार्यक्रमों का आयोजन 05 जून 2023 को किया जायगा। यह आयोजन 'मिशन लाईफ-लाईफस्टाईल फॉर इन्वायरमेंट' के अंतर्गत किया जायगा। जिसका विवरण कुछ इस प्रकार है- सुबह 6.30 बजे, इस्पात भवन से इक्वीप्मेंट स्क्वेयर तक वाकथान का आयोजन होगा। इस वाकथान का फ्लेग ऑफसंयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता करेंगे। इस आयोजन में संयंत्र के कार्मिक तथा अधिकारीगण हिस्सा लेंगे। सुबह 7.00 बजे, ग्राम कोनारी वर्धा में सीएसआर व ग्राम पंचायत के सहयोग से तालाब की सफाई करायी जायगी तथा उसके आसपास वृक्षारोपण कराया जायगा। इसके अलावा सुबह 8.30 बजे, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ एम रविन्द्रनाथ के आतिथ्य में, चिकित्सालय के विभिन्न कार्यक्रमों में वाकथान, वाटर हार्वेस्टिंग स्कीम का उद्घाटन, पुरस्कार वितरण तथा स्किट (प्रहसन) का आयोजन किया जाना शामिल है। सुबह 9.30 बजे हॉस्पिटल सेक्टर के क्रास स्ट्रीट 4 के मैदान में वृहद वृक्षारोपण किया जायेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता होंगे। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारी, वन विकास निगम और बैथ् के सदस्य भी मौजूद होंगे। सुबह 10.15 बजे, संयंत्र के प्रोपेन प्लांट में भी वृक्षारोपण किया जायगा।

ईश्वर रेल दुर्घटना के यात्रीयों एवं परिवार को सहने की शक्ति प्रदान करें

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व मंत्री बदरूदीन कुरैशी ने ओडिसा के बालासोर जिले में बहानागा रेल्वे स्टेशन के पास एक्सप्रेस ट्रेन हावडा से चेन्नई जा रही थी मालगाड़ी से टकरा जाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें सैंकडों लोगों की मृत्यु हो गई और सैंकडों लोग दुर्घटनाग्रस्त हो गये घटनास्थल पर उडीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री श्रीमति ममता बनर्जी बालासोर में रेल्वे हादसा स्थल पर पहुंचकर मिडिया के सामने मुख्यमंत्रीयों ने घोषणा की हम दोनों राज्य के मुख्यमंत्री समन्वय बनाकर हमाने राज्य के डॉक्टरों और एम्बूलेंस भेजकर इलाज किया जायेगा और तत्काल राज्य के समीप के चिकित्सालय में ईलाज के लिए भर्ती किया गया। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी से ट्विटर पर ट्वीट कर अनुरोध किया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके.स्टालिन की तरह रेल दुर्घटना में मृत एवं दुर्घटनाग्रस्त घायलों को ज्यादा से ज्यादा परिवार को राहत राशि प्रदान करने का घोषणा किया है उसी प्रकार आप भी ज्यादा से ज्यादा राहत राशि प्रदान करने की घोषणा करें ईश्वर मृतक आत्मा को शांति एवं दुर्घटना ग्रस्त यात्रियों को जल्दी से जल्दी स्वास्थ्य लाभ पहुंचाये और हमारी ईश्वर से कामना है दुखी परिवार को इस गहन दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें ।

5 प्रबुद्धजनों के किया देहदान

दुर्ग। दुर्ग के 5 प्रबुद्धजनों द्वारा मानवता की भलाई के लिए देहदान किया गया। देहदान करने वाले दो दंपति सहित कुल 5 लोगों की काउंसलिंग प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी द्वारा की गई। उन सभी पांचों देहदानियों के घर जाकर प्रनाम द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कर्मचारी नगर दुर्ग के जी.चलपती राव और उनकी पत्नी जी. रानम्मा, कर्मचारी नगर की ही विमला गुर्जर पति शंकर राव, आदित्य नगर के आशीष वाजपेई और उनकी पत्नी रेखा वाजपेई ने मानवता की भलाई के लिए एम्स रायपुर के नाम देहदान की वसीयत जारी की है।

शहर में कहीं भी बेतरतीब ढंग से बैनर पोस्टर लगाने वाले विरूद्ध महापौर नीरज ने पेश की मिशाल

अवैध होर्डिंग्स हटाने चला अभियान, महापौर ने खड़े होकर खुद का भी हटवाया फ्लेक्स- होर्डिंग्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम क्षेत्र में लगे हुए अवैध बैनर पोस्टर एवं होर्डिंग्स को हटाने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है ताकि बेतरतीब ढंग से लगे हुए बैनर पोस्टर से होने वाले दुर्घटना से बचा जा सके तथा शहर की सुंदरता को बेदाग कर रहे पोस्टर को हटाया गया। आज सुबह से ही भिलाई निगम का अमला टाउनशिप क्षेत्र में बैनर फ्लेक्स को हटाने निकले जिनके साथ महापौर नीरज पाल स्वंय निगम की टीम के साथ चलते हुए बेतरतीब ढंग टयूबलर पोल में अपने फोटो लगे हुए सभी फ्लेक्स होर्डिंग्स को निकलवाये।

गौरतलब है कि आने वाले 7 जून को महापौर नीरज पाल का जन्मदिन है। ऐसे में उनके समर्थकों द्वारा बिजली खंभे एवं सड़क किनारे पोल में अव्यवस्थित तरीके से होर्डिंग्स लगा दिए थे, जिसे संज्ञान में लेते हुए महापौर जी ने निगम के तोड़फोड़ अमला को टाउनशिप एरिया में संपत्ति विरूपण कार्रवाई के लिए निर्देश दिए जिसके तहत आज सुबह 11 बजे से फ्लेक्स होर्डिंग्स को हटाने के लिए शुरू हुई कार्रवाई सेक्टर 01 चैक से सेक्टर 09 चैक तक सड़क के दोनों ओर तथा सेक्टर 05 आईलव भिलाई से बालॉजी मंदिर रोड पर महापौर नीरज पाल के फोटो लगे हुए सभी फ्लेक्स होर्डिंग्स को निकाला गया, यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

आज की कार्रवाई में करीब 143 नग अवैध फ्लेक्स होर्डिंग्स निकाला गया। महापौर ने स्वंय के लगे हुए अपने होर्डिंग्स को हटवाकर एक नई मिसाल पेश की की। उन्होंने शहर के उन लोगों से अपील की है जो बेधड़कर स्ट्रीट पोल पर ही तीन से चार होर्डिंग्स लगवा देते हैं। कई सारे आयोजन होने के बाद भी लोग फ्लेक्स होर्डिंग्स को निकालते नहीं है, हवा तूफान चलने के बाद लटकते रहते है इनसे कई बार हादसे भी हो जाते हैं। भिलाई निगम प्रशासन द्वारा अवैध होर्डिंग एवं पोस्टरों को हटाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। इसके पूर्व भी बीते महीने में ही जीई रोड, स्मृतिनगर, वैशालीनगर, जुनवानी रोड, नेहरू नगर तथा नेहरू नगर से डबरापारा तक जीई रोड के दोनो किनारे भी कार्रवाई करते हुए प्रचार सामग्री, होर्डिंग्स के स्टैण्ड आदि को जप्त भी किया गया था।

नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद ने 10 अप्रैल को संपत्ति विरूपण के अधिनियम के तहत शहर में लगने वाले पोल में अवैध तरीके से पोस्टर एवं होर्डिंग लगाने को लेकर उचित फैसला लिया है। फैसले के मुताबिक संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत पोल में जो कोई भी अवैध रूप से पंपलेट, पोस्टर, होर्डिंग इत्यादि के माध्यम से प्रचार प्रसार करता है तो उसे दंडात्मक कार्यवाही के अधीन लाते हुए आर्थिक एवं अपराधिक मामले भी दर्ज किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा शहर में डिजाइनर और यूनीपोल भी लगवाए जा रहे हैं, जिससे शहर की सुंदरता बड़े तथा शहर प्रकाशमान रहे।

सकल जैन समाज की विशेष उपस्थिति में मुनि वृंद का दुर्ग नगर प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अपने आराध्य गुरु भगवंतो स्वागत अभिनंदन के लिए दुर्ग ही नहीं छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से प्रवेश पर आगवानी करने बड़ी संख्या में गुरु भक्त परिवार विशेष रूप से उपस्थित थे। सेक्टर 1 से विहार करते हुए विराग मुनि अपने गुरु भगवंतो के साथ जैन दादाबाड़ी मंदिर में दर्शन करते हुए लगभग 8 बजे के करीब पटेल चौक पहुंचे। इधर श्रमण संघ के उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि, तीर्थेश ऋषि पुलगांव चौक के रास्ते से गंजपारा स्थित जय आनंद मधुकर रतन भवन पहुंचे। धार्मिक क्रिया संपन्न कर उपाध्याय प्रवर स्वयं विराग मुनि की अगवानी करने जैन समाज के सदस्यों के साथ पटेल चौक के रास्ते आगे बढ़कर के संत विनय कुशल मुनि जी एवं विराग मुनि जी महाराज का आध्यात्मिक मंगल मिलन हुआ। इस अवसर पर सामायिक स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक पूज्य गुरुदेव शीतल राज जी महाराज भी तप साधक विराग मुनि की अनुमोदना करने स्वयं भी पटेल चौक पहुंचे। पटेल चौक में भव्य आध्यात्मिक वातावरण के बीच तीन जैन संतों का मंगल मिलन हुआ और विराट मुनि ने संत मुनि महाराज को वंदन नमन करते हुए इस तपस्या में आगे बढ़ने हेतु गुरु भगवंतो सेआशीर्वाद प्राप्त किया।

पटेल चौक जवाहर चौक गांधी चौक मैं आदिनाथ जैन मंदिर के दर्शन के पश्चात गुरु भक्त परिवार भगवान महावीर के जयकारों के साथ करने वाले साधक की जयकारों के साथ शनिचरी बाजार होते हुए जय आनंद मधुकर रतन भवन में संत वृंद का मंगल प्रवेश हुआ। इस प्रवेश के साक्षी बनने दुर्ग सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से सुबह से ही लोग आज दुर्ग पहुंचे थे। जय आनंद मधुकर रतन भवन की धर्म सभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने कहा इतने बड़े तप की अनुमोदना करने का वह भी आपके सानिध्य में रहकर तप अनुमोदना का सौभाग्य आज मुझे प्राप्त हुआ है जो मैं इस अमिट यादों को जीवन पर्यंत अपने स्मृति पटल पर सदैव याद रखूंगा। उन्होंने कहा विराग मुनि जी की तपस्या का अभिग्रह शीघ्र पूर्ण हो वीर प्रभु परमात्मा मंगल कामना करता हूं।

अग्रवाल महिला समिति ने राहगीरों को आमरस पिलाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अग्रवाल महिला समिति खुर्सीपार ने आज गर्मी की जेष्ठ पूर्णिमा पर राहगीरों को आमरस पिलाया जिसमें अग्रवाल महिला समिति के सभी पदाधिकारी शामिल हुए अग्रवाल महिला समिति आगे भी ऐसे ही नेक कार्य करते रहेगी बस भगवान का आशीर्वाद हम सब पर बना रहे।

प्लेट मिल के श्रमिक साथी सुरक्षा पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल में सुरक्षा पुरस्कार सम्मान कार्यक्रम का आयोजन प्लेट मिल के सभागार में मुख्य महाप्रबंधक (प्लेट मिल) आर के बिसारे के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन में कहा कि सुरक्षा हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें सबसे पहले अपनी सुरक्षा, अपने साथियों की सुरक्षा तथा मशीनों की सुरक्षा के साथ-साथ कार्यस्थल में बेहतर हाउस कीपिंग एवं इलुमिनेशन को भी ध्यान में रखना है।

हमें नियरमिस केस के बारे में जागरूक होना आवष्यक है। प्लेट मिल परिवार के हमारे समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों को उत्पादन, उत्पादकता, गुणवत्ता के साथ-साथ सुरक्षा पर भी अत्यधिक ध्यान देना है। सुरक्षा को प्रत्येक कामगार की आदतों में शामिल करने हेतु भिलाई इस्पात संयंत्र के सराहनीय पहल को अनवरत बनाये हुए प्लेट मिल ने सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता में लेकर सुरक्षा-आदतों को प्रोत्साहन दे रहा है। इसी कड़ी में मुख्य महाप्रबंधक (प्लेट मिल) श्री आर के बिसारे ने विभाग के कार्मिकों कौशल, अजय विश्वकर्मा, सुरक्षा अनमोल से प्रमोद, नेमीचंद, नारायण, राजकुमार, सुरक्षा दक्ष से संजय साहू, कुलेश्वर साहू, खेमचंद, बीरेंन्द्र कुमार, राजेश, शोमिम, देवानंद साह, विजय देवांगन, देवल कुमार, राजा यादव, इंद्रजीत ठाकुर, अपूप, गिरेन्द्र, प्रभात कुमार देवांगन को सुरक्षा के प्रति उनके उत्कृष्ट कार्यो हेतु सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विषेष अतिथियों के रूप में महाप्रबंधक (प्रचालन एवं विद्युत) एस के वर्मा, महाप्रबंधक (प्रचालन) एच के बहुरूपी, महाप्रबंधक (यांत्रिकी) जे सुधाकर, महाप्रबंधक (प्रचालन) डी राय, महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी, डी सारंगी तथा महाप्रबंधक सुमन मित्रा, महाप्रबंधक संजय कुमार, महाप्रबंधक संजय त्रिपाठी, उप महाप्रबंधक राजेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित विषेष अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी डी सारंगी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्मिक विभाग की ओर से विजय कुमार सहायक प्रबंधक (कार्मिक-मिल्स जोन-3) अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी सुखचंद तथा श्यामल बैनर्जी ने अपना योगदान दिया।

भेंट मुलाकात : सेक्टर 9 पहुंचे विधायक देवेन्द्र यादव बड़ो से लिया आशीर्वाद छोटो को दिया प्यार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार भेंट मुलाकात कर रहे हैं। साथ ही लोगों को कई सौगातें भी दे रहे है। इस कड़ी में वे शनिवार को सेक्टर 9 वार्ड 69 पहुंचे। जहां उन्होंने सेक्टर 9 वार्ड के नागरिकों से मिले उनका हालचाल जाना, सब का कुशल क्षेम पूछा।

बड़ो को प्रणाम कर सब से आशीर्वाद लिए साथ ही वार्ड के छोटे बच्चों व युवाओं को प्यार दिया। विधायक को अपने वार्ड में देख कर लोग।

इससे वार्ड के युवाओं व नागरिकों में बहुत हर्ष का माहौल रहा। साथ वार्ड का भ्रमण किए। लोगों से भेंट मुलाकात किए।

जमीन पर बैठकर विधायक देवेन्द्र यादव ने लोगों के साथ बैठकर चाय पिया और वार्ड और शहर की समस्याओं के साथ विकास पर चर्चा की। विकास की बातें हुई। लोगों ने अपने वार्ड की छोटी मोटी समस्याएं बताई। लोगों ने विकास को लेकर लंबी और सार्थक चर्चा की। चर्चा के दौरान लोगों ने बताया कि बीते कुछ सालों में जब से वे विधायक बने है, तब से लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। सेक्टर में सड़क,नाली,बिजली, पानी,उद्यान सौंदर्यीकरण से लेकर सभी सड़को को धूल मुक्त करने के लिए पेवर ब्लॉक लगाया जा रहा है। सेक्टर एरिया के बैक लाइन की समस्या का समाधान किया जा रहा है।

सिर्फयही नहीं सीएम भूपेश बघेल की महत्वाकांक्षी योजनाओं का भी घर घर पहुंचा रहे है। सेव वार्ड के लगभग हर परिवार का राशन कार्ड बनाया गया है। सब को चावल मिल रहा है। श्रम कार्ड आयुष्मानकार्ड बनाया गया है। सड़क, नाली, पानी की समस्याएं भी दूर हुई। जब विधायक देवेंद्र यादव को लोग अपने वार्ड में देखे तो सब खुश हो गए। लोगों ने बताया कि वार्ड में पहले खाली मैदान था लेकिन अब यहाँ बहुत ही सुंदर और सर्व सुविधा युक्त फुटबॉल ग्राउंड बनाया गया है। इस प्रकार और भी कई काम किए जा रहे है। इसके लिए सभी वार्डवासियों ने विधायक का आभार जताया धन्यवाद किया।

ज्योतिर्लिंग मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिव जागृति सेवा समिति नया खुर्शीपार पंच मुखी चौक द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा का कार्यक्रम बहुत ही जोर शोर से मनाया गया।

जिसके मुख्य यजमान पंडित सुरेश मिश्रा, पत्नी सीमा मिश्रा, अजीत जायसवाल, पत्नी डॉली जायसवाल दिनेश चंद्राकर पत्नी नूतन चंद्राकर मंगल वर्मा पत्नी शांति देवी सैमन पुरी पवनेश सिंह, बाबा साहू, अवाम समस्त मोहल्ले वालों के द्वारा बहुत ही जोर शोर से मनया गया।

जीवन रूपी युद्ध भूमि पर विजय प्राप्त करने की कला ही राजयोग - ब्रह्माकुमारीज मंजू दीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित तनाव से मुक्तिएक नई उड़ान शिविर के पांचवें दिन बिलासपुर से पधारी मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज मनुष्य मन की शांति के लिए इधर-उधर भटक रहा है पर वास्तव में शांति हमारा निजी संस्कार है इसके लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं।

स्वयं परमात्मा द्वारा बताये गये सृष्टि चक्र के ज्ञान को स्पष्ट करते हुए कहा कि वर्तमान समय सृष्टि एक वैश्विक परिवर्तन की ओर खड़ी है जिसमें भारत पुन: विश्व गुरु बनने जा रहा है ऐसे में अगर हम इस परिवर्तन के निमित्त बन जाए तो यह हमारा कितना सौभाग्य होगा। तत्पश्चात महाभारत में वर्णित 'अर्जुन का युद्ध भूमि में श्रीकृष्ण को अपना सारथी चुनने' के सुन्दर वृतांत का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए कहा कि जिस तरह मात्र 5 पांडवों ने 100 कौरवों की सेना पर जीत पाई क्यूंकि उनके सारथी स्वयं श्रीकृष्ण थे, ठीक उसी भांति आप भी उन मुट्ठी भर लोगों में से हैं जो इस मुक्तिधाम में उपस्थित हुए हैं और परमात्मा का सत्य परिचय प्राप्त कर रहे हैं। कहा जिस तरह 'अर्जुन ने श्री कृष्ण से कहा था कि वे जानते हैं कि धर्म क्या है पर उस पर चलने की ताकत नहीं है' उसी तरह आज सभी मनुष्य आत्माओं की भी यही मन: स्थिति है क्यूंकि परमात्मा की सत्य पहचान व उनसे यथार्थ सम्बंध नहीं है अत: उन्हें यथार्थ रूप से पहचान उनके निर्देशों पर चलना वा अपने जीवन रूपी युद्ध भूमि पर विजय प्राप्त करने की कला ही राजयोग हमें सीखाता है। तत्पश्चात कैसे सर्व धर्मों में एक निराकार परमात्मा की ही मान्यता है यह बताते हुए उनका स्पष्ट परिचय दिया।

एक गृहस्थ व्यक्ति का हास्यजनक उदाहरण देते हुए बताया कि 'एक व्यक्ति ने कहा मेरे घर में शांति है पर मेरे मन में शांति नहीं है! किसी के पूछने पर की ऐसा कैसे हो सकता? तो व्यक्ति ने कहा की शांति मेरी धर्मपत्नी का नाम है जो मेरे घर में अशांति मचाती है इसलिए मेरे घर में शांति है पर मेरे मन में शांति नहीं है।' इस तरह हंसी-खेल में बड़ी ही मूल्यवान बात बतायी कि आज किसी भी व्यक्ति का नाम कर्तव्य-वाचक नहीं है पर केवल एक निराकार परमात्मा का नाम ही कर्तव्य-वाचक है। यह कहते हुए भारत में प्रसिद्ध 12 शिव ज्योतिर्लिंगों के 12 कर्तव्य वाचक नामों को स्पष्ट किया।

देशलहरा दम्पति द्वारा देहदान की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संतराबाड़ी निवासी सराफ व्यवसाई दिनेश जेवलर्स के संचालक दिनेश कुमार देशलहरा व उनकी पत्नी केशर कुमारी जैन ने अपने देहदान की घोषणा कर वसीयत नव दृष्टि फाउंडेशन के कुलवंत भाटिया,रितेश जैन,प्रभुदयाल उजाला व् जितेंद्र हासवानी को सौंपी देशलहरा दम्पति ने अपने पुत्र नितिन व अतुल से देहदान हेतु सहमति ली

दिनेश देशलहरा ने कहा वह मृत्यु भोज एवं मृत्यु पश्चात अन्य आयोजन को एक सामाजिक कुरीति मानते हैं एवं उनका मानना है की वयक्ति के मरने के बाद यदि उसके शरीर से समाज का भला हो रहा है तो इस से बड़ा पुण्य का कार्य नहीं है प्रभुदयाल उजाला ने कहा दिनेश देशलहरा समाज के प्रतिष्ठित वयक्ति हैं अत: उनके नेत्रदान व देहदान से समाज में

देहदान हेतु जागरूकता बढ़ेगी व सकारात्मक सन्देश जाएगा

संस्था के सदस्यों ने देशलहरा दम्पति को देहदान व नेत्रदान प्रक्रीया की विस्तृत जानकारी दी

नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य जितेंद्र हासवानी ने कहा हमारी संस्था लगातार लोगों को नेत्रदान ,देहदान व रक्तदान हेतु जागरूक कर रही है जिसके सुखद परिणाम आ रहे हैं भविष्य में यदि कोई देहदान व नेत्रदान पर कोई जानकारी चाहता है तो हमारे सदस्यों से सम्पर्क करे या 9827190500 / 9340007904 नंबर पर फोन कर जानकारी ले सकता है नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार ,कुलवंत भाटिया,राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी,मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई, दयाराम टांक ने देशलहरा दम्पति के निर्णय कि सराहना कि व देशलहरा परिवार को साधुवाद दिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950